A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 19 जून, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 250, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या भारत में मुनाफे के लालच का शिकार हो रहे हैं बोइंग विमान?

पंकज श्रीवास्तव

अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 का क्रैश होना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि बोइंग की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं, भारत में सुरक्षा मानकों की जांच की खामियों और मुनाफे की हवस का नतीजा है। 265 इंसानों की ज़िंदगी को देखते-देखते राख में बदल देने वाले इस हादसे पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि 'हादसे को कोई रोक नहीं सकता', लेकिन क्या सचमुच हादसों का कोई ज़िम्मेदार नहीं होता? गृहमंत्री का बयान हादसों को ईश्वरीय इच्छा मानने जैसा लगता है, जबकि हादसे हमेशा सिस्टम की विफलता का नतीजा होते हैं। आज ज़िम्मेदारी तय करने की बात कम ही होती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने जाँच शुरू होने की पुष्टि की, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हादसा टाला जा सकता था?

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को 2011 में लॉन्च किया गया था। यह ईंधन-कुशल और 50 प्रतिशत कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना अत्याधुनिक विमान है। अहमदाबाद हादसा इस मॉडल का पहला घातक हादसा है, लेकिन इससे पहले कई तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं-

2013: जापान एयरलाइंस के 787 में बोस्टन हवाई अड्डे पर बैटरी में आग लगी। उसी महीने, एक अन्य 787 को जापान में आपात लैंडिंग करनी पड़ी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने 787 की उड़ानों पर तीन महीने का प्रतिबंध लगाया।

अन्य समस्याएं: इंजन में बर्फ जमना, ईंधन रिसाव, और फ्लैप खराबी जैसी शिकायतें दर्ज हुईं। बोइंग के अन्य मॉडल, खासकर 737 MAX, के हादसों ने कंपनी की साख को ज्यादा नुकसान पहुंचाया-

2018: लायन एयर फ्लाइट 610, इंडोनेशिया में क्रैश, 189 लोगों की मौत।

2019: इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302, 157 लोगों की मौत।

2024: दक्षिण कोरिया में बोइंग विमान क्रैश, 180 लोगों की मौत।

2024: अलास्का एयरलाइंस के 737 MAX 9 का दरवाजा उड़ान में उड़ गया।

भारत में भी हुए हादसे: 1978: एयर इंडिया फ्लाइट 855 (बोइंग 747), मुंबई में अरब सागर में क्रैश, 95 लोगों की मौत।

2010: मैंगलोर हादसा (बोइंग 737-800), रनवे से फिसलकर खाई में गिरा, 158 लोगों की मौत।

आँकड़ों के अनुसार, बोइंग के विमान 6,000 से ज्यादा दुर्घटनाओं में शामिल रहे, जिनमें 415 घातक थे और 9,000 से ज्यादा लोगों की जान गयी।

FAA और DGCA की भूमिका: विमानों की सुरक्षा और गुणवत्ता की जाँच के लिए अमेरिका में FAA और भारत में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन (DGCA) जिम्मेदार हैं। लेकिन बोइंग के मामले में इन पर लापरवाही के आरोप लगे:

FAA: 737 MAX हादसों के बाद, FAA पर बोइंग के साथ मिलीभगत के आरोप लगे। जांच में पता चला कि FAA ने बोइंग को स्व-प्रमाणन की छूट दी थी, जिससे सुरक्षा जांच कमजोर हुई।

DGCA: अहमदाबाद हादसे से पहले इस बोइंग 787-8 की आखिरी रखरखाव जांच कब हुई, यह स्पष्ट नहीं है। क्या DGCA ने एयर इंडिया के रखरखाव प्रोटोकॉल की पूरी जांच की थी? यह सवाल जांच का हिस्सा है।

विमानन विशेषज्ञ जॉन एम. कॉक्स के अनुसार, 'अगर रखरखाव या गुणवत्ता जांच में चूक हुई, तो यह हादसे का बड़ा कारण हो सकता है।' हादसे की जांच में यह साफ़ होगा कि क्या भारत में सुरक्षा मानकों को लागू करने वाला तंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा।

बोइंग की स्थापना विलियम ई. बोइंग ने 15 जुलाई 1916 को सिएटल, वाशिंगटन में की थी। शुरुआत में इसका नाम 'पैसिफिक एयरो प्रोडक्ट्स कंपनी' था, जिसे 1917 में 'बोइंग एयरप्लेन कंपनी' बनाया गया। कंपनी ने प्रथम विश्व युद्ध में सैन्य विमान बनाए और बाद में वाणिज्यिक विमानन में कदम रखा। शुरू में बोइंग इंजीनियरिंग और अनुसंधान पर जोर देती थी, और इसकी साख बेदाग थी।

लेकिन 1997 में मैकडॉनेल डगलस के साथ विलय ने बोइंग की कार्यसंस्कृति को बदल दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि-

लागत कटौती और शेयरधारक मूल्य बढ़ाने पर ध्यान बढ़ा, जिससे गुणवत्ता प्रभावित हुई, इंजीनियरों की बजाय मैनेजरों का दबदबा बढ़ा, तेज डिलीवरी की मांग ने गुणवत्ता जांच को कमजोर किया, 737 MAX: MCAS सिस्टम को जल्दबाजी में लागू किया गया, और लागत बचाने के लिए पायलटों को अपर्याप्त प्रशिक्षण दिया गया, सस्ते उत्पादन के लिए कई हिस्सों का निर्माण आउटसोर्स किया गया, जिससे गुणवत्ता नियंत्रण कमजोर हुआ।

बोइंग के पूर्व इंजीनियरों ने कंपनी की प्रथाओं पर गंभीर आरोप लगाए: सैम सालेहपुर: 2024 में उन्होंने दावा किया कि 787 के निर्माण में शॉर्टकट अपनाए गए, जिससे विमान की संरचना कमजोर हो सकती है। इसके बाद उनका ट्रांसफर कर दिया गया। बोइंग के एक अन्य व्हिसलब्लोअर ने 777 और 787 में दोषपूर्ण पुर्जों और सुरक्षा जाँच की अनदेखी के आरोप लगाए। 2024 में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसे आत्महत्या बताया गया। हालांकि, बोइंग ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन बार्नेट की मौत ने कंपनी की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

बोइंग में कर्मचारियों का असंतोष कई बार हड़तालों के रूप में सामने आया। इन हड़तालों ने उत्पादन और गुणवत्ता नियंत्रण को प्रभावित किया। कार्य संस्कृति में बदलाव के कारण हैं- सुरक्षा के बजाय डिलीवरी डेडलाइन पर जोर, व्हिसलब्लोअरों को दबाने की कोशिश, इंजीनियरों की बजाय मैनेजरों का दबदबा।

बोइंग की समस्याओं के कारण कई सरकारों ने प्रतिबंध लगाए: 2013: FAA ने 787 की बैटरी समस्याओं के कारण उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया। 2019: 737 MAX हादसों के बाद FAA, यूरोपीय यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (EASA), और भारत ने 20 महीने के लिए उड़ानों को रोका। 2024: FAA ने बोइंग के उत्पादन विस्तार पर सीमित प्रतिबंध लगाए, क्योंकि कंपनी सुरक्षा ऑडिट में विफल रही।

बोइंग को आर्थिक नुकसान: 737 MAX हादसों और ग्राउंडिंग से 30 अरब डॉलर का नुकसान।

ऋण: 2024 तक 50 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज। शेयर गिरावट: अहमदाबाद हादसे के बाद शेयर 7व गिरे।बोइंग का मुख्य प्रतिस्पर्धी एयरबस है, जिसने ‹320neo और 350 जैसे मॉडल के साथ बाजार में बढ़त बनाई। एयरबस की सुरक्षा और ईंधन दक्षता बोइंग से बेहतर मानी जाती है। 2023 तक, एयरबस ने बोइंग को ऑर्डर और डिलीवरी में पीछे छोड़ दिया।

अहमदाबाद हादसा केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। बोइंग की मुनाफे की हवस ने इसकी कार्यसंस्कृति को बदल दिया, जिससे गुणवत्ता और सुरक्षा प्रभावित हुई। FAA और DGCA जैसी एजेंसियों की चूक ने हादसों की परिस्थितयाँ गढ़ीं। गृहमंत्री अमित शाह का बयान जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। भारत सरकार और DGCA को रखरखाव और जांच प्रक्रियाओं को सख्त करना होगा। बोइंग को अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी, ताकि वह अपनी साख बचा सके।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी-ट्रम्प की फोन पर 35 मिनट बात

- पीएम बोले-भारत ने ना मध्यस्थता स्वीकारी थी,ना स्वीकारेंगे
- प्रधानमंत्री ने ट्रंप से कहा-सीजफायर पाक के कहने पर हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी भी विषय में व्यापार से संबंधित कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने सीजफायर किया था। भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा। साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी जोर देकर कहा कि अब भारत आतंकवाद की घटनाओं को प्रॉक्सी वॉर (परदे के पीछे की लड़ाई) नहीं, बल्कि सीधे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी की तरफ से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति

समर्थन जताया। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात जी 7 के इतर होनी तय थी, लेकिन ट्रम्प को 17 जून को जी 7 छोड़कर अमेरिका लौटना पड़ा। इस कारण ये मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद ट्रम्प के कहने पर दोनों नेताओं की फोन पर बात हुई। बातचीत करीब 35 मिनट चली। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद ट्रम्प ने फोन पर मोदी से शोक संवेदना जताई थी और आतंक के खिलाफ समर्थन जताया था। इसके बाद दोनों नेताओं 18 जून को यह पहली बातचीत थी। इसलिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से बात की। मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। भारत के ऐक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे। साथ ही भारत ने ये भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे। विदेश सचिव मिसरी ने ये भी बताया।

सुप्रभात

युद्ध में राजा नहीं मरता... ?
मरते हैं सैनिक और बेचारी प्रजा
खंडहर हो जाती हैं सभ्यताएं
खत्म हो जाते हैं भूगोल
चिल्लाती और कराहती है मानवता
युद्ध में राजा नहीं मरता...?
मरते हैं सपने
लुटते हैं बचपन
मौन होती है भूख
उड़ जाती है नींद
युद्ध में राजा नहीं मरता..?
गरजती हैं मिसाईलें गिरते हैं बम
टूटते हैं घर भागते हैं लोग
बढ़ती है गरीबी मौन होती है भूख
गिरती हैं लाशें और हंसते हैं लोग
युद्ध में राजा नहीं मरता...?
युद्ध से डरता है ईश्वर
रोता है आसमान
कांपती है धरती
और मरती है संवेदना।

- प्रभुनाथ शुक्ला

हम सरेंडर नहीं करेंगे अमेरिकी दखल मंजूर नहीं

- ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कर दिया जंग का ऐलान
- ईरान के नागरिकों को वॉट्सएप डिलीट करने के आदेश
- इजराइल पर पहली बार किया फतह मिसाइल से हमला

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने बुधवार को अपने एक मैसेज में कहा कि अमेरिका सुन ले, हम सरेंडर नहीं करेंगे। खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी देते हुए कहा, अगर इजराइल के खिलाफ जंग में अमेरिकी सेना ने दखल दिया, तो अंजाम बुरा होगा। खामेनेई का यह मैसेज ईरान की नेशनल टीवी पर प्रेजेंटर ने पढ़ा। खामेनेई ने कहा, जो लोग ईरान का इतिहास जानते हैं, उनको पता है कि ईरानी किसी की धमकियां नहीं सुनता। इजराइल ने बहुत बड़ी गलती की है और उसे इसकी सजा मिलेगी। ईरान थोपी गई शांति या युद्ध को नहीं मानेगा। इससे पहले खामेनेई ने मंगलवार देर रात इजराइल के खिलाफ जंग का ऐलान किया था।

- **इजराइल बोला- ईरान में सरकारी ठिकानों पर बम गिराएंगे-** इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि जल्द ही ईरान में नए ठिकानों पर बमबारी की जाएगी और उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा। इनमें सरकारी ठिकानों और मीडिया संस्थानों को निशाना बनाया जाएगा काट्ज ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- ईरान में लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। तानाशाही का पतन इसी तरह होता है।

चीन ने इजराइल-ईरान से अपने 700 से ज्यादा नागरिक निकाले

चीन ने बताया कि उसने इजराइल और ईरान से अपने 700 से ज्यादा नागरिकों को निकाला गया है। चीन विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इन नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया है और 1,000 से ज्यादा लोगों को निकाले जाने की कोशिश चल रही है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष में अब तक कोई भी चीनी नागरिक नहीं मारा गया है। ईरान ने 13 जून को लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक इजराइल पर 400 से ज्यादा मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन दागे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 241 होम-स्टे का किया वर्चुअल लोकार्पण

आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम ग्रामीण पर्यटन : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम है। ग्राम स्तर पर पर्यटन गतिविधियों से जहां युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं, वहीं पर्यटन गतिविधियां, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीज-त्योहार-पर्व और खानपान को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होती हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे होम-स्टे भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के 'अतिथि देवो भवः' के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम बन रहे हैं। होम-स्टे संचालनकर्ता और राज्य सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश में आने वाले सभी अतिथि प्रदेश के बारे में सकारात्मक छवि और अच्छी स्मृतियां साथ लेकर जाएं। पर्यटन के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग आदि समन्वित रूप से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन की परंपरा सदियों से रही है। दुनिया के लोग शौक और आनंद के लिए घर से निकलते हैं, वहां भारत के लोग चारधाम की मोक्ष यात्रा पर निकलते हैं, जहां वे सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अन्य प्रदेशों की विविध जीवनशैली और परंपराओं से परिचित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय मूल्यों के अनुरूप परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भी देश प्रगति पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्य स्तरीय उत्सव को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के लिए वेबसाइट लॉन्च, प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण पर्यटन पर केंद्रित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रामीण रंग पर्यटन संग उत्सव के अंतर्गत विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही चाक पर मिट्टी की कलाकृतियां भी बनाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के लिए डेडिकेटेड माइक्रो वेबसाइट लॉन्च की और प्रदेश के विभिन्न गांवों में निर्मित 241 होम-स्टे का वर्चुअल लोकार्पण किया।

पर्यटन को बढ़ावा देने हुए एमओयू

कार्यक्रम में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए सिग्निफाइंग और टूरिज्म बोर्ड के बीच 61 गांवों में एलईडी एवं सोलर लाइट्स लगाने के लिए एमओयू का आदान प्रदान किया गया। साथ ही स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी और टूरिज्म बोर्ड के बीच फिल्म निर्माण एवं डिजिटल प्रमोशन के लिए एमओयू और एमपी टूरिज्म बोर्ड एवं एमपीएसईडीसी के बीच एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होम-स्टे संचालकों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होम-स्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले नर्मदापुरम, आगर, छतरपुर, निवाड़ी, मुरैना, सीहोर, सीधी और पन्ना सहित 10 जिला कलेक्टरों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 37 जिलों में होम-स्टे निर्मित किए जा रहे हैं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री विश्व सिकल सेल दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को करेंगे सम्मानित

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशा निर्देश और मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशॉलय के सहयोग से 'सिकल सेल मित्र' पहल की शुरुआत भी की जायेगी। सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे। सिकल सेल दिवस पर संपूर्ण प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने के लिए गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ आनुवांशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग और परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी।

सिकल सेल रोगियों और उनकी देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले में विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 41 °c
न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 19 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

देश को मिला पहला शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला का बुधवार को कमीशन हुआ। इसे विशाखापट्टनम के नेवी डॉकयार्ड में कमीशन किया गया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के तौर पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान मौजूद रहे। महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अर्णाला किले के नाम पर इसे यह

नाम दिया गया है। यह जहाज हिंद महासागर में नौसेना की दमदार मौजूदगी के लिए डिजाइन किया गया है। जो उथले पानी में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक और डिएक्टिवेट करेगा। आईएनएस अर्णाला को 8 मई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। आज की कमीशनिंग सेरेमनी अच्छे कैटेगरी के जहाजों में से एक है।

बाली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट वापस दिल्ली लौटी

● ज्वालामुखी विस्फोट के चलते इंडोनेशिया के लिए कई उड़ानें रद्द

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी मंगलवार को फट गया। इस भीषण विस्फोट ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। इस विस्फोट के कारण बाली के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिनमें एयर इंडिया, सिंगापुर एयरलाइंस, एयर न्यूजीलैंड, जेटस्टार, वर्जिन ऑस्ट्रेलिया और चीन की जुनयाओ एयरलाइंस शामिल हैं। ज्वालामुखी से निकली राख का विशाल बादल 10 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंच गया, जिसके कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2145 आज सुबह दिल्ली से बाली (इंडोनेशिया) के लिए रवाना हुई थी, लेकिन ज्वालामुखी के खतरे को देखते हुए फ्लाइट को वापस दिल्ली लौटने की सलाह दी गई। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, फ्लाइट ने सुरक्षित रूप से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लैंडिंग की। एयर इंडिया ने पुष्टि की कि उड़ान एआई 2145 के सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए एयरलाइन ने खेद

व्यक्त किया है और प्रभावित यात्रियों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किए गए हैं। एयर इंडिया ने यात्रियों को होटल आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ दो विकल्प प्रदान किए हैं- टिकट रद्द करने पर पूर्ण धनवापसी या

निःशुल्क रिशेड्यूलिंग की सुविधा। माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के फ्लोरेस द्वीप पर 1,584 मीटर ऊंचा एक जुड़वां चोटी वाला ज्वालामुखी है। इसमें मंगलवार शाम 5.35 बजे (स्थानीय समय) विस्फोट हुआ। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने ज्वालामुखी गतिविधि के बाद ज्वालामुखी से 10,000 मीटर तक घने भूरे बादल को रिकार्ड किया। यह राख एक गोबरछत्ते के आकार में राख के बादल में फैल गई जिसे पहाड़ से 90 किमी से 150 किमी दूर स्थित शहरों से देखा जा सकता था। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लोगों को भारी वर्षा को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी गयी है क्योंकि ज्वालामुखी से निकलने लावा नदियों में जा सकता है। नवंबर में माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। बुधवार सुबह ज्वालामुखी ने फिर से 1 किलोमीटर ऊंचा राख का बादल उगला, जिसने स्थिति और गंभीर हो गई।

डीके शिवकुमार के भाई पर लटकी है ईडी की तलवार

बेंगलुरु (एजेंसी)। ईडी ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई और कांग्रेस नेता डीके सुरेश को पूछताछ के लिए समन भेजा है। एक स्थानीय महिला के खिलाफ मनी लांड्रिंग जांच से जुड़े कथित धोखाधड़ी

मामले में समन भेजा गया है। ईडी ने स्थानीय महिला ऐश्वर्या गौड़ा और कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के ठिकानों पर छापे मारने के बाद अप्रैल में ऐश्वर्या को गिरफ्तार किया था। ईडी ने कहा था कि महिला ने कई 'हाई-प्रोफाइल' नेताओं के साथ निकटता का दावा किया और लोगों को सोने, नकदी तथा बैंक में जमा राशि पर उच्च रिटर्न का वादा कर उनसे धोखाधड़ी की। आरोप है कि उसने सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और खुद को उनकी बहन बताया।

खुशखबरी...! हफ्ते भर होगी झमाझम बारिश

● यूपी से लेकर बंगाल तक अलर्ट, मौसम विभाग की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटे में बारिश दर्ज की गई। बुधवार सुबह 8.30 बजे तक अलग-अलग इलाकों में भारी से लेकर अति भारी बरसात हुई। सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश देखी गई। तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में भी भारी से अति भारी बरसात हुई। कर्नाटक, केरल, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मिजोरम और अन्य राज्यों में भी बदरा बरसते नजर आए। गुजरात, कोंकण, महाराष्ट्र और अन्य इलाकों में 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाओं के साथ गरज-चमक देखी गई। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश और गंगा तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जो अगले 24 घंटों में पश्चिम-उत्तर दिशा में बढ़ेगा।

माधव टाइगर रिजर्व में 27 साल बाद पार्क में बाघों की संख्या 7 पहुंची

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में बाघों की गतिविधि लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार सुबह रिजर्व के सेलिंग क्लब के पीछे के हिस्से में एक टाइगर 'तांडव' को घूमते हुए ट्रैप कैमरे ने कैद किया। इसका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल है, जिससे वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

बाघों की वापसी के बाद से माधव नेशनल पार्क में पर्यटकों की संख्या में निरंतर इजाफा हो रहा है। बीते तीन वर्षों में यहां तीन मादा और दो नर बाघों को छोड़ा गया। इनमें से दो शावकों ने यहीं जन्म लिया, जो रिजर्व की सफलता की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

बाघों की वापसी बनी पर्यटन की नई पहचान

करीब 27 साल बाद माधव पार्क में बाघों की वापसी हुई है। यह न केवल शिवपुरी के पर्यटन क्षेत्र को नया जीवन दे रही है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण की दिशा में भी अहम कदम है। हाल ही में एक नई बाघिन के आने के बाद पर्यटकों में उत्सुकता और रोमांच और भी बढ़ गया है।

वन विभाग कर रहा निगरानी, कैमरों से ट्रैकिंग जारी

वन विभाग की टीम पार्क में लगातार निगरानी कर रही है। बाघों के मूवमेंट की कैमरों के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि सुरक्षा और उनका प्राकृतिक आवास सुरक्षित रह सके। टाइगर 'तांडव' का यह मूवमेंट इस बात का संकेत है कि पार्क का वातावरण बाघों के लिए अनुकूल बन चुका है।

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर 3 नक्सली को किया ढेर

● इनमें 40 लाख का इनामी गजरला

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर मारेडपल्ली में हुई मुठभेड़ में ग्रेहाउंड्स फोर्स ने नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर गजरला रवि, अरुणा समेत 3 बड़े कैडर्स को मार गिराया है। गजरला 40 लाख का इनामी था। फिलहाल मुठभेड़ खत्म हो गई है। इलाके में सर्चिंग जारी है। मामला आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीताराम जिले का है। एनकाउंटर में मारी गई अरुणा स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी और नक्सली लीडर चलपति की पत्नी है। इस पर 20 लाख का इनाम था। आंध्र के अल्लूरी सीताराम जिले के

● 1 करोड़ के इनामी चलपति की पत्नी अरुणा शामिल

एसपी अमित बरदार ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। 10 फरवरी 2012 को गजरला रवि ने अपने साथियों के साथ बीएसएफ की टीम पर हमला किया। कमांडेंट सहित तीन जवानों को मार दिया और उनके हथियार लूट लिए। 2014 से फरार था। छत्तीसगढ़ में ऐक्टिव था। बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ नर सिंहाचलम मारा गया था। वो तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांटेड था। सुधाकर पर 1 करोड़ रुपए का इनाम भी घोषित था।

भीषण गर्मी भी नहीं रोक पा रही भक्तों के कदम

● जोश के साथ कर रहे हैं माता वैष्णो देवी की यात्रा

श्रीनगर (एजेंसी)। वर्तमान में पल-पल बदल रहे मौसम तथा भारी उमस के बावजूद श्रद्धालु पूरे जोश के साथ अपनी मां वैष्णो देवी की यात्रा जारी रखे हुए हैं। हालांकि बरसात का मौसम तो शुरू नहीं हुआ है परंतु बरसात के मौसम का आगमन मानो हो चुका है। क्योंकि एक और जहां आसमान के साथ ही मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगना शुरू हो गया है जिसके कारण लगातार बढ़ रही उमस से

श्रद्धालु लगातार पसीने से तर बतर हो रहे हैं।

वहीं बुधवार को दिन में अधिकांश समय मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों के जमघट के कारण कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा अधिकांश समय प्रभावित रही। दूसरी और भवन मार्ग पर चलने वाली बैटरी कार सेवा के साथ ही मां वैष्णो देवी भवन तथा भैरव घाटी के मध्य चलने वाली रोपवे केवल कार सेवा आम दिनों की तरह श्रद्धालुओं को लगातार उपलब्ध हो रही है और श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठाते हुए अपनी मां वैष्णो देवी की यात्रा जारी रखे हुए हैं। हालांकि जिस तरह का मौसम का मिजाज वर्तमान में बना हुआ है उम्मीद है कि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान हल्की बारिश का सामना करना पड़ सकता है।

बहुत जल्द खत्म होने वाला टोल का झंझट!

● 3,000 में पूरे साल की फ्रीडम, 15 अगस्त से मिलेगा पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने घोषणा की है कि अब फास्टैग के लिए सालाना पास का ऑप्शन भी मिलेगा। इसकी कीमत 3,000 रुपए होगी। 15 अगस्त से ये पास मिलने लगेगा। अभी केवल मंथली पास और जरूरत के हिसाब से रिचार्ज की सुविधा मिलती है। ये पास नॉन कॉमर्शियल प्राइवेट व्हीकल्स जैसे कार, जीप, वैन के लिए है। ये एक साल के लिए या 200 टोल क्रॉस करने के लिए वैलिड होगा। यानी, एक टोल क्रॉस करने की कीमत करीब 15 रुपए आएगी। सरकार का दावा है कि इससे देशभर के नेशनल हाईवे के टोल पर भीड़ कम होगी। इस पास

की कीमत 3,000 रखी गई है और यह एक साल तक मान्य होगा या फिर 200 ट्रिप्स तक, जो पहले पूरा हो जाए। यह स्कीम सिर्फ नॉन-कमर्शियल प्राइवेट व्हीकल्स जैसे कार, जीप और वैन के लिए लागू होगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि एक ऐतिहासिक पहल के तहत 15 अगस्त 2025 से 3,000 की कीमत वाला फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा रहा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों के लिए हैं।

● भारत-कनाडा के संबंधों पर जमी बर्फ अब पिघली

पीएम मोदी और कार्नी ने किया उच्चायुक्तों की नियुक्ति का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के रिश्तों पर पिछले डेढ़ वर्ष से भी ज्यादा वक्त से जमीं बर्फ सोमवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई हुई मुलाकात में पिछल गई। अलबर्टा (कनाडा) में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में विशेष मेहमान के तौर पर आमंत्रित पीएम नरेन्द्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्के कार्नी के बीच तकरीबन 40 मिनट बैठक चली। इसमें सबसे पहले इस बात पर सहमति बनी कि दोनों देशों की राजधानी में उच्चायुक्तों की जल्द से जल्द नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या बढ़ाने व अपने अपने उच्चायोगों के काम काज को सामान्य बनाया जाएगा। साथ ही मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) पर थमी बातचीत भी शुरू करने की

सहमति बनी। मोदी और कार्नी के बीच आपसी सहयोग के दूसरे अन्य सभी मुद्दों पर भी बात हुई है। कार्नी के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा कि, भारत के लिए कनाडा के साथ संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। हम दोनों मिल कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का का करेंगे। मानवता के लिए काम करेंगे। हम अनेक क्षेत्रों में प्रगति करेंगे। कार्नी ने कहा कि, हमें पीएम मोदी का स्वागत करते हुए गर्व है। हम प्रौद्योगिकी, एआई, ऊर्जा पर बात करेंगे।

● **आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाने पर कड़ा प्रहार**- इस संदर्भ में मोदी ने अमेरिका व पश्चिमी देशों की तरफ से आतंकवाद पर दोहरी नीति अपनाने पर भी करारा प्रहार किया और कहा कि, एक तरफ तो हम अपनी पसंद-नापसंद के आधार पर भांति-भांति के प्रतिबंध लगाने में देर नहीं लगाते। दूसरी ओर, जो देश खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करते हैं हम उन्हें पुरस्कृत करते हैं। साफ है कि उनका इशारा हाल ही में पाकिस्तान को आइएमएफ व विश्व बैंक जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से मिले आर्थिक मदद की तरफ है। 22 अप्रैल, 2025 को पाक समर्थिक आतंकवादियों की तरफ से पहलगाम में हमला करने के बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर चलाया था।

ममता को हाईकोर्ट से झटका, नई ओबीसी लिस्ट पर रोक

● टीएमसी ने मुस्लिमों की 80 उपजातियों को किया था शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार को झटका देते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य की नई अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची को 31 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। यह सूची 3 जून की अधिसूचना के तहत लागू की गई थी, जिसमें कुल 140 उप-समूह शामिल किए गए थे। उनमें 80 मुस्लिम और 60 गैर मुस्लिम को शामिल किया गया था। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच जिसमें जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस राजशेखर मंथा शामिल थे, ने न केवल अधिसूचना पर रोक लगाई बल्कि उससे संबंधित सभी सरकारी आदेशों और ओबीसी जाति प्रमाणपत्र आवेदन पोर्टल को भी निलंबित कर दिया। कोर्ट ने इस निर्णय को प्रक्रियागत दोषपूर्ण करार दिया। जस्टिस मंथा ने कहा, आपने मई 2024 के आदेश के बाद विधायी प्रक्रिया का पालन तो किया, लेकिन बाद में 2012 के कानून को छोड़कर 1993 के पुराने कानून के तहत प्रक्रिया अपनाई। जस्टिस चक्रवर्ती ने भी राज्य सरकार से सवाल किया कि जब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तो ऐसी जल्दबाजी क्यों। उन्होंने कहा, जब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई लंबित है तब तक सरकार को कोई कार्रवाई नहीं करनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई में करेगा। आपको बताते चलें कि पश्चिम बंगाल सरकार ने मई 2024 में अदालत द्वारा रद्द की गई पुरानी 113 जातियों सूची को बदलकर यह नई 140 उप-समूहों वाली सूची लागू की थी। मुस्लिमों की उपजाति को 77 से बढ़ाकर 80 कर दिया गया। वहीं, गैर-मुस्लिम उप समूह 36 से

बढ़ाकर 60 हो गए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नई सूची का बचाव करते हुए कहा था, हमने धर्म नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को आधार बनाया है। याचिकाकर्ता के वकील सी. श्रीराम ने दलील दी कि 2012 के कानून के तहत राज्य की कार्यपालिका को कोई अधिकार नहीं है कि वह खुद से आरक्षण लागू करे। उन्होंने कहा, 2012 अधिनियम के अनुसार केवल राज्य विधानमंडल को ही यह अधिकार है कि वह अनुच्छेद 16(4) के तहत ओबीसी आरक्षण से संबंधित कोई व्यवस्था करे। हाईकोर्ट के इस निर्णय से दाखिले और सरकारी भर्तियां प्रभावित हो सकती हैं। अगर नई सूची अमान्य रही वर्तमान में लागू ओबीसी आरक्षण 17 फीसदी से नीचे चला जाएगा। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह एक अंतरिम आदेश है।

भस्म आरती दर्शन

त्रिपुण्डधारी बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन के बाद भस्म अर्पित कर श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान मंदिर के कपाट खोले गए।

सबसे पहले वीरभद्र जी को प्रणाम कर स्वस्ति वाचन कर आज्ञा लेकर चांदी द्वार को खोला गया। गर्भगृह के पट खोलकर पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार उतार कर पंचामृत पूजन के बाद कर्पूर आरती की। त्रिपुण्डधारी बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन के बाद भस्म अर्पित कर श्रृंगार किया गया। नंदी हाल में नंदी जी का स्नान, ध्यान, पूजन किया गया। जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के बाद दूध, दही, घी, शकर, शहद, फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। ड्रायफ्रूट, फल, मिठाई का भोग लगाकर भस्म चढ़ाई गई। भगवान महाकाल ने शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण की। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड, सोनम की कॉल डिटेल से खुलासा

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी सोनम रघुवंशी को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। जांच में पता चला है कि सोनम मार्च 2025 में एक मोबाइल नंबर पर करीब 119 बार कॉल कर चुकी थी, जिनमें कई बार घंटों बातचीत हुई। यह नंबर इंदौर के जवाहर मार्ग निवासी संजय नाम के व्यक्ति का बताया जा रहा है। हालांकि इंदौर और शिलॉन्ग पुलिस की ओर से इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि सोनम दो मोबाइल नंबरों का उपयोग करती थी। एक नंबर पर उसकी लंबी बातचीत होती थी। मार्च माह में कई बार हुई लंबी बातचीत ने पुलिस की जांच को नया मोड़ दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, इस नंबर की जानकारी इंदौर पुलिस को नहीं है और शिलॉन्ग पुलिस इसे लेकर पड़ताल कर रही है।

शिलॉन्ग में उसके साथियों के साथ की थी हत्या- सोनम पर आरोप है कि उसने अपने प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश की। शिलॉन्ग में विशाल चौहान, आनंद और आकाश के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। इससे पहले पीथमपुर से कड़ी जुड़ी थी, क्योंकि यहां कारोबारी ने आरोपियों को हवाला का पैसा पहुंचाया था। अब कॉल डिटेल्स में इंदौर के संजय का नाम सामने आने से पुलिस का ध्यान पीथमपुर से हट गया है।

मार्च में इंदौर के संजय से 119 बार की बात, शिलॉन्ग पुलिस जांच में जुटी

शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम के घर पर की पूछताछ

मंगलवार रात को शिलॉन्ग पुलिस के अधिकारी इंदौर में राजा रघुवंशी के घर पहुंचे और कई घंटों तक उनसे सोनम और राजा के संबंधों को लेकर बातचीत की। आज शिलॉन्ग पुलिस की टीम सोनम के घर पहुंची और उसके माता-पिता और भाई से पूछताछ की गई। सूत्रों के अनुसार, टीम आरोपी राज कुशवाह के घर भी पहुंच सकती है।

ससुराल से मायके जाती हुई सोनम का वीडियो, इंदौर में घर से घूंघट में निकली

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम का एक और वीडियो सामने आया है। यह उस दिन का है, जब सोनम अपने ससुराल से मायके जाने के लिए निकली थी। वह घूंघट में घर से बाहर आई। कुछ देर गाड़ी का इंतजार किया। फिर कार में बैठकर रवाना हो गई। सोनम का भाई गोविंद और रिश्तेदार उसे लेने आए थे। राजा और उसके परिवार ने उन्हें बाहर तक छोड़ा था। इस दौरान रिश्तेदारों ने मजाक में कहा था कि देखो, सोनम जा रही है तो राजा रोने लगा है। बता दें कि राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को हुई थी। 12 मई को सोनम अपने ससुराल आई थी। चार दिन रहने के बाद 15 मई की दोपहर को मायके वापस चली गई। इसके बाद मायके से ही 20 मई को हनीमून के लिए निकली थी।

परिवार ने जताया जान का खतरा, की सुरक्षा की मांग- राजा रघुवंशी के परिजनों ने पुलिस से कहा है कि उन्हें सोनम और उसके साथियों से जान का खतरा है। उनका कहना है कि आरोपी जेल से बाहर आकर कोई वारदात कर सकते हैं, इसलिए उनकी जमानत नहीं होनी चाहिए। परिजनों ने खुद की सुरक्षा की भी मांग की है।

बैग भरकर सामान वापस ले गई थी सोनम- 15 मई की दोपहर करीब 12 बजे गोविंद और दूसरे रिश्तेदार सोनम को मायके ले जाने के लिए रघुवंशी परिवार के घर पहुंचे। वे काफी देर तक यहां रुके। राजा और परिवार के लोगों के साथ बातचीत की। सोनम अपने साथ वह सूटकेस भी मायके ले गई थी, जिसे शादी के बाद राजा के घर लेकर आई थी। इस बात की पुष्टि राजा की भाभी वर्षा ने की है। उन्होंने बताया था, सोनम अपना सारा सामान यहां से ले गई थी। बस, हमने जो साड़ियां दी थीं, वह छोड़ गई थी।

कार में पहले पीछे, फिर आगे जाकर बैठी- दोपहर करीब सवा तीन बजे सोनम घूंघट में ससुराल से बाहर निकली। इस दौरान उसके साथ रिश्तेदार भी थे। वह मेन गेट से बाहर आई और रोड पर आकर खड़ी हो गई।इस बीच सोनम का भाई अपनी गाड़ी लेकर आया। पहले सोनम पीछे की सीट पर बैठ रही थी, लेकिन फिर कार के आगे की सीट पर जाकर बैठ गई। जिसके बाद उसके रिश्तेदार भी गाड़ियों में बैठ गए।

'बजरंग दल नेता को धमकी

मैसेज में लिखा- तेरा घर बम से उड़ा दूंगा, गौरव और मैं लड़की बेचते हैं, केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बजरंग दल के विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर को मोहसिन खान से जुड़े प्रकरण में मंगलवार रात धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें खुद को प्रशांत कोडे बताने वाले व्यक्ति ने मोहसिन के मामले से दूर रहने की धमकी दी और लिखा- दोस्त मोहसिन के साथ जो किया, वो ठीक नहीं है... तेरा घर बम से उड़ा दूंगा। प्रवीण दरेकर ने इस गंभीर धमकी को लेकर हीरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

मोहसिन पर लव जिहाद और रेप के प्रकरण दर्ज- प्रवीण ने पुलिस को बताया कि अन्नपूर्णा क्षेत्र में रहने वाले मोहसिन खान पर लव जिहाद और रेप जैसे कई गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। इन्हीं मामलों में जानकारी लेने और कार्रवाई के सिलसिले में वे थाने गए थे। इसके बाद मंगलवार रात उनके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, लेकिन वे उस समय कॉल रिसीव नहीं कर पाए। रात में ही उसी नंबर से उन्हें एक टेक्स्ट मैसेज मिला, जिसमें भेजने वाले ने न केवल धमकी दी, बल्कि खुद को प्रशांत कोडे बताते हुए यह भी लिखा कि वह और उसका भाई गौरव लड़कियों की तस्करी और मवेशियों के मीट का व्यापार करते हैं। आरोपी ने लिखा - तुमसे जो बन पड़े कर लेना।

पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू की- हीरानगर पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। साथ ही पुलिस अब उस मोबाइल नंबर को ट्रेस करने में जुटी है जिससे कॉल और मैसेज किया गया।

शुभम नेपाली गिरोह का भंडाफोड़ तस्करी में बच्चों का इस्तेमाल

जेल से छूटते ही सक्रिय हुआ बदमाश नेपाली, छोटा भाई भी एमडी ड्रग के साथ पकड़ाया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में ड्रग तस्करी का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। रविवार-सोमवार को पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में शुभम नेपाली का नाम सामने आया था। पुलिस शुभम की घेराबंदी कर रही थी, तभी मंगलवार को उसका छोटा भाई रजत यादव उर्फ नेपाली हाथ लग गया। पुलिस ने उसके पास से 12 ग्राम एमडी ड्रग जब्त किया है। वह 8 साल की बच्ची के साथ घूम रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर मुख्य सरगना की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने रविवार और सोमवार को लोकेश मोरवाल, रितेश उर्फ नेगू, यश वानखेड़े और दीपक बामने को ड्रग के साथ पकड़ा था। उनसे पूछताछ में एक बार फिर शुभम नेपाली का नाम सामने आया है। शुभम पहले भी गैंगवार और नशे के अवैध कारोबार में जेल जा चुका है, लेकिन जमानत पर बाहर आने के बाद उसने फिर से ड्रग तस्करी का धंधा शुरू कर दिया। वहीं रजत ने पूछताछ में बताया कि वह शुभम के लिए काम करता है और चलते-फिरते ही ड्रग बेचता है। इसका जितना पैसा

इकट्ठा होता है, वह शुभम को देता है।

बच्ची को बना रखा था ढाल

रजत यादव ड्रग के कारोबार में लिप्त है और पुलिस से बचने के लिए 8 साल की बेटी का इस्तेमाल करता था। वह बेटी को साथ में लेकर घूमता था ताकि पुलिस को एकदम से उस पर शक न हो।

पुलिस को मिला गिरोह का नेटवर्क

डीसीपी ऋषिकेश मीना को जानकारी मिली थी कि शुभम नेपाली जेल से छूटने के बाद इलाके में आता-जाता है पर वह द्वारकापुरी में नहीं रह रहा है। शंका के आधार पर द्वारकापुरी टीआई सुशील पटेल की टीम ने नेपाली के पीछे लगाया गया। जब जांच की तो पकड़े गए श्रद्धा सबुरी कॉलोनी के लोकेश मोरवाल और प्रजापत नगर के रितेश उर्फ नेगू ने बताया कि वे शुभम के लिए काम करते हैं। उन्होंने अन्य साथियों श्रीरामनगर के यश वानखेड़े और दीपक बामने के नाम भी उजागर किए, जो पश्चिम इंदौर में ड्रग सप्लाई में सक्रिय हैं।

2 करोड़ रुपए प्रति माह का ड्रग रैकेट

टीआई सुशील पटेल के मुताबिक अब तक की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह हर दिन 50 से 60 हजार रुपए की एमडी ड्रग बेचता था। उनका नेटवर्क राउ, चंदन नगर और अन्नपूर्णा तक फैला है। हर दिन के रुपए इकट्ठा कर शुभम की बताई जगह पर देकर आते थे। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि शुभम लगभग एक दर्जन युवकों के जरिए ड्रग सप्लाई कराता है और सभी उससे सीधे तौर पर जुड़े हैं। मासिक रूप से यह रैकेट करीब 2 करोड़ रुपए का अवैध कारोबार कर रहा था।

इंदौर में 24 घंटे में 8 कोरोना पॉजिटिव मिले

नए मरीजों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं, सभी होमआइसोलेट, एक्टिव केस बढ़कर 72 हुई

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में मंगलवार को 8 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इनमें से किसी की भी ट्रैवल हिस्ट्री नहीं मिली है। इस साल अब तक कुल 130 से ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें

120 मरीज इंदौर के ही हैं। अभी 72 मरीज एक्टिव हैं। ये सभी होम आइसोलेशन में हैं। तीन मरीजों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी ने बताया कि मंगलवार को जो 8 मरीज मिले हैं, उनमें हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। चिंता जैसी स्थिति नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की हिदायत दी गई है। शहर में कोरोना टेस्टिंग की व्यवस्था अभी भी जारी है। एमवाय अस्पताल और एमआरटी में सरकारी स्तर पर निःशुल्क कोविड टेस्ट किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्री-अप्रूव्ड निजी लैब्स में भी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध है।

इंदौर में इस साल तीन मरीजों की मौत- इंदौर में इस साल तीन कोरोना पॉजिटिव महिला की मौत हुई है। इनमें एक 72 वर्षीय महिला किडनी और अन्य बीमारियों से ग्रस्त थी। इसके अलावा एक खरगोन और एक रतलाम की महिला की मौत हुई है।

धार रोड पर कचरे के गोदाम में हादसा

आग में घिरे परिंदे, 100 से ज्यादा की मौत, फरिश्ते बन पहुंचे फायरकर्मी, 200 को बचाया

इंदौर (एजेंसी)। चंदन नगर थाना क्षेत्र में धार रोड पर कचरे के गोदाम में मंगलवार सुबह आग लग गई। इससे गोदाम में धुआं भर गया। 200 से ज्यादा कबूतर, 100 से ज्यादा चिड़िया और

गिलहरी गोदाम में ही धुएं के कारण फंस गए और छटपटाकर सड़कों पर गिरने लगे। 100 से ज्यादा पक्षियों ने आग व धुएं की चपेट में आने से दम तोड़ दिया। 200 से ज्यादा कबूतर, चिड़िया और 40 से 50 गिलहरी की जान फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पानी पिलाकर बचाई। घटना मंगलवार सुबह 4 बजे की है। फायर ब्रिगेड के हेड कांस्टेबल शेर सिंह कुशवाह ने बताया, 'धुआं पूरे गोदाम में भर गया था। मौके पर पहुंचे तो गोदाम में परिंदे जान बचाने के लिए इधर-उधर उड़ रहे थे। गेट बंद होने से 100 से ज्यादा पक्षियों की मौत हो गई। तब टीम के बालक राम, संजय चौहान, अजय व सुनील वास्कले ने जैसे-तैसे गोदाम का गेट खोला। गेट खुलते ही सैकड़ों पक्षी बाहर की ओर उड़े और छटपटाकर जमीन पर गिरने लगे। तब हम लोगों ने फायर ब्रिगेड के नोजल से ही बेसुध पक्षियों को पानी पिलाना शुरू किया। करीब 200 कबूतर व 30 से ज्यादा गिलहरी को सुरक्षित बचाया।

तालाब में डूबने से 12 साल के बच्चे की मौत

खेलने का कहकर घर से निकला, दोस्तों के साथ नहाने पहुंचा, गहरे पानी में चला गया

इंदौर(एजेंसी)। कनाड़िया थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय अश्विन की तालाब में डूबने से मौत हो गई। वह खेलने का कहकर घर से निकला था और अपने दोस्तों के साथ नहाने चला गया, लेकिन गहराई का अंदाजा न लग पाने से वह डूब गया। जब तक उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक, मृतक अश्विन पुत्र सुरेश रमाबाई नगर में रहता था। वह कक्षा 5 का छात्र था और दोपहर में दोस्तों के साथ घर से करीब 3 किलोमीटर दूर अंबा मुलिया इलाके में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहराई में चला गया। उसके दोस्तों ने शोर मचाकर मदद मांगी, जिसके बाद आसपास के लोग पहुंचे और किसी तरह अश्विन को तालाब से बाहर निकाला। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

माता-पिता का इकलौता बेटा था अश्विन- मामा कैलाश ने बताया कि अश्विन दो बड़ी बहनों का इकलौता भाई था। उसके पिता ऑटो चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। घटना के समय अश्विन ने घरवालों से कहा था कि वह खेलने जा रहा है। परिजन उसके पास ही किसी दोस्त के घर जाने का समझकर निश्चिंत थे।

इंदौर में बना 64वां ग्रीन कॉरिडोर, रच दिया इतिहास

उज्जैन के ब्रेन डेड बुजुर्ग के अंगदान से दो मरीजों को मिला जीवनदान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बुधवार सुबह 64वां ग्रीन कॉरिडोर बना। 69 वर्षीय बुजुर्ग उज्जैन में सीवियर ब्रेन हेमरेज का उपचार करा रहे थे। उपचार के दौरान डॉक्टर ने ब्रेन डेथ की जानकारी परिवार को दी। इसके बाद परिवार ने अंगदान के लिए मुस्कान ग्रुप से संपर्क किया। मुस्कान ग्रुप के सेवादार जीतू बगानी ने बताया कि उज्जैन निवासी तुलसीराम रावल (69) को ब्रेन हेमरेज हो गया था। उन्हें वहीं के पाटीदार हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। ब्रेन डेथ के बाद रावल को 16 जून को इंदौर लाया गया। यहां सीएचएल अस्पताल में अंगदान की प्रक्रिया शुरू की गई। चार चिकित्सक दलों की ब्रेन डेथ सर्टिफिकेशन कमेटी ने रोगी का प्रथम ब्रेन डेथ 17 जून सुबह 10:35 तथा द्वितीय ब्रेन डेथ सर्टिफिकेशन शाम 5:30 पर पूरा किया। बुधवार 18 जून सुबह 9 बजे सीएचएल केयर हॉस्पिटल से चोइथराम हॉस्पिटल के लिए ग्रीन कॉरिडोर बना।

किडनी सीएचएल और चोइथराम में प्रत्यारोपित की- रावल की एक किडनी सीएचएल केयर हॉस्पिटल में 45 वर्षीय पुरुष रोगी को प्रत्यारोपित की गई वहीं दूसरी किडनी

चोइथराम हॉस्पिटल में उपचार करा रहे 54 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित की गई। वहीं लिवर जुपिटर विशेष हॉस्पिटल के रोगी को प्रत्यारोपित किया जाना था लेकिन मिसमैच होने के कारण यह प्रत्यारोपण निरस्त कर दिया गया।

लगातार निगरानी करते रहे डॉक्टर-अधिकारी- बगानी ने बताया कि सांसद शंकर लालवानी, संभाग आयुक्त दीपक सिंह, इंदौर सोसाइटी फॉर ऑर्गन डोनेशन के सचिव एवं एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. अरविंद घनघोरिया, संस्थापक सचिव डॉ. संजय दीक्षित लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इसके अलावा सोटो मध्य प्रदेश के नोडल ऑफिसर डॉ. मनीष पुरोहित, निधि शर्मा, शुभम वर्मा ने भी समन्वय किया। मृतक तुलसीराम के बेटों संतोष और शैलेन्द्र ने अंगदान प्रक्रिया में सहयोग करने वाले राजेश पेड़वा, डॉ. सुरेंद्र सिंह परिहार, मोनिशा बगानी, डॉ. निखिलेश जैन, डॉ. शिव शंकर शर्मा, डॉ. सौरभ जुल्का, डॉ. विपिन शर्मा, संदीपन आर्य, लकी खत्री, जुगल नागपाल, राजेन्द्र माखीजा, जेठानंद जयसिंघानी, विशाल चंदानी, राजू धनवानी और तरुण रोचवानी का आभार माना।

इजराइल-ईरान युद्ध : इंदौर से रूस घूमने गए 84 लोगों के ग्रुप की रिटर्न फ्लाइट कैंसल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर से रूस घूमने गए 84 लोगों की रिटर्न फ्लाइट इजराइल-ईरान युद्ध के कारण कैंसल हो गई। होटल से चेकआउट करने के कारण उन्हें खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। 84 लोगों के ग्रुप में से 33 लोगों ने तो अपने स्तर पर दूसरी फ्लाइट की रिटर्न टिकट करवा ली, वहीं 51 लोगों को एयरलाइंस ने अन्य फ्लाइट से भेजने की व्यवस्था की। वे सभी लोग फ्लाइट से रवाना हो गए हैं। शारजाह होते हुए भारत लौटेंगे। 70 बुजुर्ग और 14 युवा शामिल थे। 51 लोग लगातार टूर एजेंसी के संपर्क में 21 जून तक सभी की वापसी होगी।

ग्रुप के सदस्यों का आरोप- टूर ऑपरेटर ने भी सहयोग नहीं किया- 84 लोगों का एक ग्रुप वीणा वर्ल्ड एजेंसी के जरिये रूस में मास्को-सेंट पीटर्सबर्ग गया था। सभी की रिटर्न फ्लाइट एयर अरेबिया की मास्को-शारजाह-दिल्ली उड़ान मंगलवार दोपहर 2:30 बजे शेड्यूल थी, इसी बीच सोमवार को सभी को जानकारी मिली कि इजराइल-ईरान युद्ध के चलते 20 जून तक एयर अरेबिया की रूस

से उड़ने वाली सभी फ्लाइट कैंसल हो गई हैं। ऐसे में मंगलवार को चेकआउट के बाद ग्रुप के सदस्यों के पास ठहरने के लिए कोई विकल्प नहीं बचा। ग्रुप के सदस्यों ने जब टूर ऑपरेटर से संपर्क किया तो उन्होंने सहयोग करने से इनकार कर दिया। इसके बाद 33 लोगों ने अपने स्तर पर 70 हजार रुपए का अतिरिक्त भुगतान करते हुए एयरोफ्लोट और एमाइरेट्स एयरलाइन की वापसी की टिकट बुक की। 51 लोग लगातार वीणा वर्ल्ड और एयर अरेबिया के संपर्क में थे। दोपहर 1 बजे उन्हें एयर अरेबिया से जानकारी मिली कि उन्हें शाम 6 बजे की मास्को से ताशकंद की दूसरी फ्लाइट में एडजस्ट किया है। ये फ्लाइट ताशकंद से शारजाह जाएगी। सभी वहां से निकल चुके हैं। शारजाह के बाद इन 51 लोगों के पूरे ग्रुप को भारत में अलग-अलग शहर भेजा जा रहा है। कुछ यात्री 19 जून तो कुछ 20 और कुछ 21 जून को भारत पहुंचेंगे। कुछ के लिए तो एयर अरेबिया ने मंगलवार रात 10 बजे की ही शारजाह-दिल्ली फ्लाइट बुक कर दी, जबकि वे उस समय तक वहां पहुंच ही नहीं पाएंगे

शारजाह में एयरलाइंस ने नहीं की कोई व्यवस्था

यात्री एसएल गर्ग ने बताया कि शारजाह एयरपोर्ट पर कुछ को 10 घंटे तो कुछ को 48 घंटे तक रुकना पड़ सकता है। ऐसे में एयरलाइंस को ठहरने की व्यवस्था करना चाहिए। भारत आने के बाद विभिन्न शहरों से इंदौर आने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। टूर ऑपरेटर वीणा वर्ल्ड को इंदौर तक की फ्लाइट की जवाबदारी लेना चाहिए।

विमेंस वर्ल्डकप के 5 मैच इंदौर में खेले जाएंगे

होलकर स्टेडियम में एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया -न्यूजीलैंड, दोपहर 3 बजे से सभी मुकाबले

इंदौर (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार, इंदौर के होलकर स्टेडियम में भी 5 मैच खेले जाएंगे। यह दूसरा मौका है, जब इंदौर में विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के मैच होंगे। इससे पहले 1997 में भी इंदौर को इस टूर्नामेंट का एक मैच मिला था। सभी मैच दोपहर 3 बजे से खेले जाएंगे। भारत 12 साल बाद विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। इससे पहले इंडिया को 2013 में विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली थी।

टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर 2025 को होगा। इस टूर्नामेंट में 28 लीग मैच और 3 नॉकआउट मुकाबले पांच स्थानों- बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाकिस्तान के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। फाइनल 2 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा।

इंदौर में होने वाले मैच

1 अक्टूबर– ऑस्ट्रेलिया वर्सेस न्यूजीलैंड
6 अक्टूबर– न्यूजीलैंड वर्सेस द. अफ्रीका
19 अक्टूबर– भारत वर्सेस इंग्लैंड
22 अक्टूबर– ऑस्ट्रेलिया वर्सेस इंग्लैंड
25 अक्टूबर–ऑस्ट्रेलिया वर्सेस श्रीलंका

डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया इंदौर में खेलेगी अपना पहला मैच- मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद वह 8 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ेगी।

संपादकीय

भारत- कनाडा : सुधरते रिश्ते

कनाडा के अल्बर्टा राज्य के केननास्किस में सम्पन्न जी-7 शिखर सम्मेलन (समिट) की भारत के संदर्भ में उलपब्धि यही है कि इससे हमारे मेजबान कनाडा के साथ रिश्तों में बीते दो साल में जो तल्खी आई थी, उसमें सुधार होने की आशा जगी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बीच चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि दोनो देश एक दूसरे के यहां नए सिरे से अपने उच्चायुक्तों को नियुक्त करेंगे। दरअसल पिछले साल अक्टूबर में खालिस्तानी आतंकी निज्जर हत्याकांड के बाद दोनों देशों ने 6-6 डिप्लोमैट्स को देश से निकाल दिया था। कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बचकाने रवैये के चलते उनकी सरकार कनाडा के खालिस्तानी तत्वों के दबाव में भारत से रिश्ते बिगाड़ बैठी थी। ट्रूडो और उनकी पार्टी कनाडा में इस साल हुए आम चुनाव में हार गई और उनका समर्थन करने वाले कट्टरपंथी खालिस्तानी तत्व भी चुनाव हार गए। सत्ता मार्क कार्नी के हाथ आए। कार्नी ने पीएम बनते ही भारत और कनाडा के बीच रिश्ते सुधारने की इच्छा जताई थी। हालांकि उन पर भी जी-7 समिट में पीएम मोदी को न बुलाने का दबाव था। कार्नी दबाव में आएंगे या नहीं, इस पर भारत की नजर थी। यहां भी विपक्ष ने यह भी मुद्दा उठाया था। लेकिन आखिरकार कार्नी ने खुद फोन कर मोदी को जी-7 में आमंत्रित किया और मोदी गए भी। हालांकि भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण उसे जी-7 में विशेष आमंत्रित किया जाता है, जो धनी देशों के नेताओं का एक महत्वपूर्ण वैश्विक मंच है। यूं जी-7 से लोगों को काफी उम्मीदें थीं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इसमें शिरकत करने वाले थे। भारत को उम्मीद थी कि मोदी और ट्रंप की जी-7 में सीधी मुलाकात भी हो सकती है, जिसमें दोनो देशों के बीच टैरिफ समझौते पर बात हो सकती है। लेकिन इजराइल ईरान युद्ध के गंभीर अवस्था में पहुंच जाने के कारण ट्रंप ने अपना दौरा बीच में ही समाप्त कर रवानगी डाल दी। यहां तक कि उन्होंने समिट के घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर नहीं किए। इस पर भी विवाद बढ़ गया। यूरोपीय अधिकारियों द्वारा तैयार इस मसौदा बयान में कहा गया था कि इजराइल को आत्मरक्षा का अधिकार है, लेकिन ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसमें दोनों पक्षों से नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र में शांति के लिए जी-7 की व्यापक प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। ट्रंप के हस्ताक्षर न करने से जी-7 का रंग फीका हो गया और ईरान इजराइल संघर्ष के मुद्दे पर सदस्य देशों के मतभेद भी सामने आ गए। अमेरिका के अलावा बाकी देश ईरान इजराइल विवाद का हल शांतिपूर्ण और कूटनीतिक तरीके से करना चाहते हैं। जबकि ट्रंप इसके सैनिक हल को ही अंतिम मानते हैं। यही कारण है कि वो लगातार ईरान को धमकियां दे रहे हैं। ट्रंप के घोषणा पत्र पर दस्तखत न करने के पीछे कई कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि ईरान इजराइल युद्ध में जी-7 के देशों ने इजराइल के साथ एकजुटता की प्रतिबद्धता दोहराई। जहां तक भारत का सवाल है कि कनाडा ने पीएम मोदी का जोशीला स्वागत कर साफ संकेत दिया कि वो दोनो देशों के रिश्तों में गर्मजोशी लाना चाहते हैं। मोदी ने भी द्विपक्षीय मुलाकात में कहा कि दोनों देशों के रिश्ते बहुत पुराने और गहरे हैं। इन्हें और मजबूत करने की जरूरत है। कनाडा में लाखों भारत वंशी रहते हैं और हर साल हजारों छात्र वहां पढ़ने के लिए जाते हैं। दोनो देशों में रिश्ते सुधरने से सभी को लाभ होगा।

जल संकट का बेहतर निदान नदी-तालाब जोड़

नजरिया

पंकज चतुर्वेदी

'नेशनल बुक ट्रस्ट' से संबद्ध रहे लेखक स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहे हैं।

प्यास-पलायन-पानी के चलते कुख्यात बुंदेलखंड में हजार साल पहले बने चन्देल-कालीन तालाबों को छोटी सदानीरा नदियों से जोड़कर मामूली खर्च में कलंक मिटाने की योजना आखिर हताश हो कर ठप्प हो गई है। बीते ढाई दशकों से यहाँ केन और बेतवा नदियों को जोड़कर इलाके को पानीदार बनाने के सपने बेचे जा रहे हैं। हालांकि पर्यावरण के जानकर बताते रहे हैं कि इन नदियों के जोड़ से बुंदेलखंड तो घाटे में रहेगा, लेकिन कभी चार हजार करोड़ की बनी योजना अब 44 हजार 650 करोड़ की हो गई है और इसे बड़ी सफलता के रूप में प्रचारित किया जाता रहा है।

वर्ष 2010 में पहली बार जामनी नदी को महज सत्तर करोड़ के खर्च से टीकमगढ़ जिले के पुश्तैनी विशाल तालाबों तक पहुँचाने और इससे 1980 हैक्टेयर खेतों की सिंचाई की योजना तैयार की गई थी। इस योजना में न तो कोई विस्थापन होना था और न ही कोई पेड़ काटना था। वर्ष 2012 में काम भी शुरू हुआ, लेकिन आज करोड़ों खर्च के बाद न नहर है न ही सिंचाई। यह बात आम ग्रामीण से छुपी नहीं है कि बहुत से लोग यह नहीं चाहते कि इस तरह के छोटे बजट की योजना चर्चा में आयें, क्योंकि फिर केन-बेतवा जैसी पहाड़-बजट की योजनाओं पर सवाल उठने लगेंगे।

यह किसी से छिपा नहीं हैं कि देश की सभी बड़ी परियोजनाएं कभी भी समय पर पूरी नहीं होती हैं, उनकी लागत बढ़ती जाती है और जब तक वे पूरी होती हैं, उनका लाभ, व्यय की तुलना में गौण हो जाता है। यह भी तथ्य है कि तालाबों को बचाना, उनको पुनर्जीवित करना अब अनिवार्य हो गया है और यह कार्य बेहद कम लागत का है और इसके लाभ अफरात हैं। केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना को फौरी तौर पर देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि इसकी लागत, समय और नुकसान की तुलना में इसके फायदे नगण्य ही हैं।

केन और बेतवा दोनों का ही उद्गम मध्यप्रदेश है। दोनों नदियां लगभग समानांतर इलाके से गुजरती हुई उत्तरप्रदेश में जाकर यमुना में मिल जाती हैं। जाहिर है कि जब केन के जलग्रहण क्षेत्र में अल्प-वर्षा या सूखे का प्रकोप होगा तो बेतवा की हालत भी ऐसी ही होगी। वैसे भी केन का इलाका पानी के भयंकर संकट से जूझ रहा है। सरकारी दस्तावजे दावा करते हैं कि केन में पानी का अफरात है, जबकि हकीकत इससे बेहद परे है।

वर्ष 1990 में केंद्र सरकार ने केन, बेतवा नदियों के जोड़ के लिए एक अध्ययन शुरू करवाया था। वर्ष 2007 में 'केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय' ने इस परियोजना में 'पन्ना नेशनल पार्क' के हिस्से को शामिल करने पर आपत्ति जताई थी। ऐसे कई और पर्यावरणीय संकटों के बावजूद वर्ष 2010 तक सरकार ने प्यासे बुंदेलखंड को एक चुनौतीपूर्ण प्रयोग के लिए चुन ही लिया। केन-बेतवा के जोड़ की योजना को सिद्धांततः मंजूर होने में ही 24 साल लग गए। इसी बुंदेलखंड में 'राजघाट परियोजना' का काम जापान सरकार के कर्जे से अभी भी चल रहा है। इसके बांध की लागत 330 करोड़ से अधिक तथा बिजलीघर की लागत लगभग 140 करोड़ है। राजघाट से इस समय 953 लाख यूनिट बिजली भी मिल रही है, लेकिन यह बात भारत सरकार स्वीकार करती है कि नदियों के जोड़ने से ये पांच सौ करोड़ रुपए बर्बाद हो जाएंगे।

टीकमगढ़ जिले में अभी चार दशक पहले तक करीब हजार तालाब हुआ करते थे। यहां का कोई गांव ऐसा नहीं था जहां कम-से-कम एक बड़ा-सा सरोवर नहीं हो, जो वहां की प्यास, सिंचाई सभी जरूरतें पूरी करता हो। आधुनिकता की आंधी में एक चौथाई तालाब चौरस हो गए हैं और जो बचे हैं, वे रखरखाव के अभाव में बेकार हो गए हैं।

जामनी बेतवा की सहायक नदी है और यह सागर जिले से निकलकर कोई 201 किलोमीटर का सफर तयकर टीकमगढ जिले के ओरछा में बेतवा से मिलती है। आमतौर पर इसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन बारिश में यह ज्यादा उफनती है। योजना तो यह थी कि बम्होरी-बराना के चंदेलकालीन तालाब को जामनी के हरपुरा बांध से एक नहर द्वारा जोड़ने से तालाब में सालभर लबालब पानी रहे। इससे 18 गावों के 1800 हैक्टर खेत सींचे जाएंगे। यही नहीं नहर के किनारे कोई 100 कुंए बनाने की भी बात थी जिससे इलाके का भू-जल स्तर बना रहता। इस योजना पर व्यय है महज कुछ करोड़, इससे जंगल, जमीन को नुकसान नहीं है, विस्थापन एक व्यक्ति का भी नहीं है। इसको पूरा करने में समय भी कम लगता। इसके विपरीत नदी जोड़ने में हजारों लोगों का विस्थापन, घने जंगलों व सिंचित खेतों का व्यापक नुकसान, साथ ही इसमें करीब 10 साल लगेंगे।

समूचे बुंदेलखंड में पारंपरिक तालाबों का जाल है। आमतौर पर ये तालाब एक-दूसरे से जुड़े हुए भी थे, यानी एक के भरने पर उससे निकले पानी से दूसरा भरेगा, फिर तीसरा। इस तरह बारिश की हर बूंद सहेजी जाती थी। बुंदेलखंड में जामनी की ही तरह केल, जमडार, पहुज, शहजाद, टौंस, गरारा, बघैन, पाईसुमी, धसान, बघैन जैसी आधा सैंकडा नदियां हैं जो बारिश में तो उफनती हैं, लेकिन फिर यमुना, बेतवा आदि में मिलकर गुम हो जाती हैं। यदि छोटी-छोटी नहरों से इन तालाबों को जोड़ा जाए तो तालाब आबाद हो जाएंगे। इससे पानी के अलावा मछली, सिंघाड़ा, कमलगट्टा मिलेगा, गाद से बेहतरीन खाद मिलेगी। केन-बेतवा जोड़ का दस फीसदी यानी एक हजार करोड़ ही ऐसी योजनाओं पर ईमानदारी से खर्च हो जाए तो 20 हजार हैक्टर की सिंचाई व भूजल स्तर बनाए रखना बहुत ही आसान होगा।

देसी नदियों से तालाबों को जोड़े की यह योजना 2012 में शुरु हुई थी और बीते बारह सालों में कम-से-कम 12 बार हरपुरा नहर टूटती रही है। दो साल पहले अगस्त में अचानक तेज बरसात आई तो 41 करोड़ 33 लाख रुपए की लागत वाली हरपुरा नहर पूरी ही बह गई। पहली बार जब नहर में नदी से पानी छोड़ा गया तो सिर्फ चार तालाबों - टीलादांत, मोहनगढ़ फीडर, मोहनगढ़ तालाब एवं बाबाखेरा तालाब में ही पानी पहुंचा था, जबकि पहुंचना था 2018 में। नहर बनाने में तकनीकी बिंदुओं को सिरे से नजरअंदाज किया गया था। इसे कई जगह लेवल के विपरीत ऊंची-नीची कर दिया गया था। शुरुआत में ही नहर का ढाल महज सात मीटर रखा गया, जबकि कई तालाब इससे ऊंचाई पर हैं, जाहिर है वहाँ पानी पहुँचने से रहा।

लगभग 48 किलोमीटर में से 23 किलोमीटर पक्की नहर का निर्माण करना था। जिन स्थानों पर नहर पक्की की गई है, उनमें से कई जगह यह उखड़ चुकी है। पूरी नहर में एक भी स्थान ऐसा नहीं दिखाई देता, जहां लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र में नहर उखड़ी न हो या उसमें दरार न आई हो। बौरी, चरपुरा, मिनौराफार्म, सुनवाहा, पहाड़ी खुर्द सहित अनेक स्थानों पर नहर उखड़ चुकी है। तेज बरसात में यदि नहर में अधिक पानी हो तो वह कहाँ से निकलेगा, नहर के रास्ते में पुल या रिपटा, नहर के किनारे मवेशी के पानी पीने का इंतजाम आदि तो हुआ नहीं है। धीरे-धीरे एक शानदार योजना कोताही का कब्रगाह बन गई। बताना जरूरी है कि इस नहर का निर्माण भी धार जिले में दो साल पहले बहे कारम बांध को बनाने वाली और काली सूची में डाली गई फर्म 'सारथी कंस्ट्रक्शन' ने किया था।

यह समझना होगा कि देश में जल संकट का निदान स्थानीय और लघु योजनाओं से ही संभव है। ऐसी योजनाएं जिससे स्थानीय समाज का जुड़ाव हो। यदि जामनी नदी से तालाबों को जोड़ने का काम सफल हो जाता तो सारे देश में एक बड़ी परियोजना से आधे खर्च में नदियों से तालाबों को जोडकर खूब पानी उगाया जा सकता था, लेकिन तालाबों पर कब्जा करने वाले, बड़ी योजनाओं में ठेके और अधिग्रहण से मुआवजा पाने वालों को यह रास नहीं आता। (सप्रेस)

राजनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिहार : क्या चिराग गुल खिलायेंगे?

चिराग की उम्र ज्यादा नहीं है। यही मात्र 42 वर्ष, लेकिन इन वर्षों में ही वह राजनीतिक दाँव पेंच में मँज गये हैं। वह उन रामविलास पासवान के बेटे हैं, जिन्हें राजनीति का मौसम-विज्ञानी कहा जाता था। उन्हें मौसम का मिजाज भाँपने में महारत हासिल था और अपनी इस कुव्वत के बूते उन्होंने सियासत में लंबी और चमकीली पारी खेली। वह सांसद रहे, सर्वाधिक मतों से जीत का कीर्तिमान दर्ज किया और अनेकशः मंत्री बने। उनके जाने के बाद उनकी रवायत चिराग पासवान ने सँभाली। शुरूआत में कयास लगाये गये कि नौसिखिये चिराग की सियासत का चिराग गुल हो जायेगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उन्होंने बखूबी स्वयं को लंबी रेस का घोड़ा सिद्ध किया। वह चुनाव दर चुनाव विजयी हुये ओर मोदी सरकार में मंत्री बने। जल्द ही यह साबित हो गया कि पुत्र की रगों में पिता का रक्त बहता है और पिच भले ही उछाल ले रही हो, उन्हें क्रीज पर टिकने की कला आती है।

चुनावी बही के पन्ने पलटें तो वह सन 2014 में 26 साल की उम्र में जमुई लोकसभा सीट से राजद के सुधांशु शेखर भास्कर को करीब 85,000 मतों से हराकर संसद में पहुँचे थे। सन 2019 में उन्होंने इसी सीट से भूदेव चौधरी को हराया। गत वर्ष के चुनाव में वह अपने पिता की परंपरागत सीट हाजीपुर से लड़े और विजयी हुये। वह लोक जनशक्ति पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं और दलित वोट बैंक पर उनका खासा असर है।

पिता के नक्शे पा चले चिराग ने अपने वोट बैंक को बिखरने नहीं दिया है और पार्टी पर अपनी पकड़ बनाये रखी है। सन 2010-11 में उन्होंने बॉलीवुड में भी अपना भाग्य आजमाया और 'मिले न मिले हम' और 'वन एंड ओनली' में अभिनय किया, लेकिन जल्द ही वह बॉलीवुड को 'सायो नारा' कहकर पिता का उत्तराधिकार संभालने बिहार लौट आये। घटनाक्रम बताता है कि राजनीति उन्हें न सिर्फ रास आ गयी है, बल्कि वह उसमें लुत्फ लेने लगे हैं। वह बोलने में कोताही नहीं बरतते। जब-तब सुर्रे छोड़ते हैं और बाज वक्त तुर्श बयान भी दे डालते हैं। आरा में विधानसभा चुनाव लड़ने के उनके ताजा बयान को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिये। जैसा कि स्वाभाविक था चिराग के बयान से सनसनी फैली और कयासों का बाजार गर्म हो गया। चिराग मोदी की तीसरी पारी की सरकार में खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री है, जो कभी उनके पिता का महकमा हुआ करता था। कह सकते हैं कि चिराग अपने कंफर्ट जोन में है। फिर क्या वजह है कि वह असेंबली का चुनाव लड़ना चाहते हैं? इससे भला उन्हें क्या हासिल होगा? उक्त यक्ष प्रश्न का उत्तर तलाशना मुश्किल नहीं है। इसके लिये हम व्यतीत के संदर्भों में धँसना होगा। चिराग के पिता रामविलास पासवान ने लंबी पारी खेली। वह नौ बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वह अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह दोनों की सरकारों में मंत्री रहे। आठ अक्टूबर, 2020 को उनकी मृत्यु हुई। वह एक महत्वाकांक्षी नेता थे और यह बात लुकी छिपी नहीं है कि वह बिहार का मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। अपने गृह प्रदेश का चीफ मिनिस्टर नहीं बन पाने का दुःख उन्हें सालता रहा। किन्हीं न किन्हीं कारणों से उनका पालित सपना पूरा नहीं हुआ। इसमें शक नहीं कि वह अत्यंत सफल और प्रत्युत्पन्नमति नेता थे और इसी के चलते उन्होंने छह प्रधानमंत्रियों वीपी सिंह, एचडी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटलबिहारी वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह और नरेन्द्र मोदी के साथ काम करने का अनूठा कीर्तिमान कायम किया।

योग्य पिता के योग्य पुत्र चिराग पासवान की तासीर को चुनावी सफलता के साथ-साथ निम्न दो और बातों से समझें। वह स्थापित दलित नेता हैं। उन्होंने सन 2021 में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिये 1.1 लाख रूपयों का दान दिया। यही नहीं, पिता के देहांत पर उन्होंने विधिवत सिर मुंड़ाया और तर्पण किया। वह बिहार की राजनीति में गठबंधन की खूबी और खामी से वाकिफ है। सन 2020 में असेंबली चुनाव में लोजपा का हश्र उन्हें याद है। लोजपा ने यह चुनाव अकेले के दम पर लड़ा था। 143 सीटों पर चुनाव लड़ने के दमखम के बावजूद पार्टी सिर्फ बेगूसराय की मटिहानी सीट से जीत सकी थी, जहां से उसके प्रत्याशी राजकुमार सिंह 333 मतों के मामूली अंतर से चुने गये थे। स्पष्ट है कि अगड़ों-पिछड़ों की राजनीति के बिहार नाम के अखाड़े में वह गठबंधन का महत्व जानते हैं; साथ ही वह अपनी महत्ता भी बढ़ाना चाहते हैं। इसी का नतीजा है कि बिल्लौरी आंखों वाले इस युवा नेता, जो अपने को मोदी का हनुमान कहता है, ने सही वक्त पर चुनावी दाँव खेल दिया है।

रामविलास पासवान अगस्त, 2015 में भारतीय मानक ब्यूरो की नयी इमारत के उदघाटन प्रसंग पर वेंकैया नायडू की उपस्थिति में बिहार का सीएम बनने की अतृप्त चाह व्यक्त की थी ओर यह भी कहा था कि अटलजी उन्हें बतौर सीएम देखना चाहते थे। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दाँव पेंच के महागुरू नीतिश कुमार ने भांजी मार दी। उनकी पलटबाजी से रामविलास का गुड़गोबर होता रहा। अंततः वह दिल के अरमां दिल में लिये फानी दुनिया से चले गये। ऐसा कतई नहीं है कि चिराग पासवान अपने पिता की इस अतृप्त आकांक्षा से वाकिफ नहीं है। इसी वाकफियत के वशीभूत उन्होंने दाँव खेल दिया है। वह हर कीमत पर नीतिश कुमार का खेल बिगाड़ना चाहेंगे। सन 2020 में लोजपा ने सीटें भले ही न जीती हों, लेकिन उसने 5.66 फीसद वोट बटोर कर जद (यू) की सीटों की संख्या 71 से घटाकर 43 पर ला दी थी। लोजपा की वोट कटवा भूमिका से जद (यू) राजद और बीजेपी के बाद तीसरी पायदान पर आ टिकी थी। चुनाव अब फिर सन्निकट है और चिराग अपनी 'वैल्यू' बढ़ाना चाहते हैं। इसी के चलते सीटों को लेकर उन्होंने मुंह फाड़ा है। जहां तक बीजेपी का प्रश्न है, वह उन्हें साथ रखना चाहेगी। वह एक तो लोजपा को सत्ता की नसैनी के तौर पर इस्तेमाल करेगी, दूसरे उसके जरिए नीतिश को औकात बताने का खेल भी खेलेगी।

सोनम जैसे अपराधी अचानक नहीं बनते

दृष्टिकोण

आकाश शुक्ला

लेखक अधिवक्ता हैं।

वर्तमान परिस्थितियों में बच्चों की परवरिश में नैतिकता का अभाव राजा रघुवंशी की हत्या जैसे अपराधों को जन्म देते हैं। किसी भी व्यक्ति की मानसिकता एकदम से अपने स्वार्थ के लिए किसी व्यक्ति की हत्या कर देने जैसे जघन्य अपराध कर देने की नहीं हो जाती।

यह आसपास के और घर के वातावरण का व्यक्ति पर धीरे-धीरे पड़ने वाले दुष्परिणाम का परिणाम होता है। जब एक व्यक्ति के परिवार में अपने स्वार्थ इच्छापूर्ति के लिए दूसरे व्यक्ति का छोटा-छोटा नुकसान करना बचपन से देखता आता है, तो उसके स्वभाव में धीरे-धीरे यह आदत घर कर जाती है। वह परमार्थ और सत्य के रास्ते पर चलकर सुकून प्राप्त करने का आनंद लेना भूल जाता है, उसका नैतिकता से नाता धीरे-धीरे खत्म होते जाता है। पहले वह येन केन प्रकारेण अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए कार्य करता है, चाहे उसके लिए छोटे-छोटे अपराध ही क्यों न करना पड़े। फिर जब उसे घर पर इन कार्यों के लिए नहीं रोका और समझाया नहीं जाता तब वह अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए बड़े अपराधों की ओर अग्रसर होता है।

यदि छोटी-छोटी स्वार्थ सिद्धि और छोटे अपराध करने पर बच्चों को नैतिकता की ओर मोड़ा जाए और उसे शुरुआत में ही गलत काम करने से रोका जाए और अभिभावक भी बच्चों के सामने उच्च आदर्श और नैतिकता से परिपूर्ण व्यवहार करें तो उसे अच्छे बुरे की समझ बचपन में ही आ जाती है और वह इस आदत के कारण स्वार्थ वश गलत कार्य नहीं कर पाता।

एक व्यक्ति कैसे सोचता है और क्या व्यवहार करता है यह गुण उसकी पारिवारिक परवरिश पर निर्भर करता है। सामाजिक और पारिवारिक मान्यताओं और बंधनो का पालन करने की आदत भी बचपन से बच्चों में डालना चाहिए नहीं तो बच्चों में अपनी हर मनमानी पूरी करने की आदतें आ जाती है जो उन्हें अपराध की ओर अग्रसर करती है। परिवार समाज और देश को कुछ देने की आदत भी बच्चों में प्रारंभ से डालना चाहिए क्योंकि कुछ देने के लिए कुछ समझोता करना पड़ता है और इससे बच्चों में समझौता करने की आदत आती है जो उनके मनमानी करने वाले व्यवहार पर अंकुश लगाती है और स्वार्थी होने से बचाती है।

बच्चों को न कहने का अधिकार देना उनके परवरिश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहना चाहिए। बच्चों के मना करने के अधिकार को भावनात्मक शोषण (इमोशनल ब्लैकमेल)से प्रभावित नहीं करना चाहिए। यदि सोनम को अपने वैवाहिक निर्णय लेने के लिए माता-पिता मना करने का अधिकार देते तो शायद ही उसके राजा रघुवंशी से विवाह का ऐसा गंभीर दुष्परिणाम आता। जो राजा रघुवंशी की जिंदगी और सोनम जेल में बीतने वाले अंधेरे दोनों से बचाव करता।

सोनम को विवाह के लिए मना करने का अधिकार नहीं होने के कारण सोनम ने राजा रघुवंशी से विवाह करने से मना करने से आसान राजा की हत्या करना समझा जबकि राजा कि हत्या करने से आसान राजा से विवाह करने से इंकार करना था। ऐसी मानसिकता छोटी-छोटी बातों को छुपाने और छुप कर छोटी-छोटी गलती करने की बचपन की आदतों के कारण आती है।

बच्चों को ईमानदारी से कमाए गए धन का महत्व, समाज के लिए कुछ करने की आदत, नैतिकतापूर्ण कार्य करने की शिक्षा,अपने स्वार्थ के लिए दूसरों को नुकसान न पहुंचाने की शिक्षा और गलत कार्य करने पर उसे सबके सामने स्वीकार करने का साहस और दुबारा गलत न करने की सीख लेने की आदत बचपन से डाले तो समाज को ऐसे गंभीर अपराध और अपराधियों से बचा सकते है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं

हादसों का जिम्मेदार कौन, पापी पेट के लिए मौन

देश में हादसे होते रहते हैं। यह हादसे मंगल ग्रह पर नहीं हो रहे कि जिम्मेदारी नहीं ले रहे। बहरहाल ज़िम्मेदार आदमी ही ज़िम्मेदारी लेता है। इसको अन्यथा मत लीजिये। पहले लोकतंत्र में दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी में इस्तीफा था, लेकिन आज सौभाग्य से इन दुर्घटनाओं के लिए वह बेवफा नहीं था। गज़ब की लॉजिक है। किसी न किसी को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए, वरना लोकतंत्र मदारी का खेल रह जाएगा।

हादसों पर लगाम लगाने कि जगह बोल देना इनको नहीं रोका जा सकता है। यह हास्यास्पद है। डॉक्टर ऑपरेशन में लापरवाही से मौत को अपनी गलती नहीं मानेगा। पुलिस प्रशासन भी बेलगाम अपराध की घटनाओं से पल्ला आसानी से झाड़ लेगा। हादसों का होना मतलब लापरवाही का नतीजा है। अपने कार्य को ईमानदारी से न करना है। वरना हादसे न होते क्योंकि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी और लोगों में मौत बटी। कौन लेगा ज़िम्मेदारी इस प्रश्न पर सब मौन। क्या जमाना आ गया है? हादसों के लिए दुर्भाग्य दोषी है। इसको चलाने वाला सिस्टम दोषमुक्त है। सभी हादसों में जाँच होते हैं फिर आंच से कांच सा टूटकर बिखर जाते हैं।

इन हादसों को घुमा फिरा कर अनहोनी बना देने की कला में पारंगत भक्त बचाव में लग गये हैं। इनका भीड़भाड़ ऐसा कोहराम मचाती है कि हादसों के शिकार यमलोक में डर जाते है। कमजोर दिल वालों के लिए तो हादसों की बहस को देखना मतलब खतरे से खेलना है। खबरों में गीता बच गई और पैसेंजर जल गए हैं न चमत्कार। इस घोर संवेदना की वेदना को नमस्कार है। जबरदस्ती महान बनने के लिए इसको घुसाने लगे।अक्सर सुरक्षा मानदंडों में लापरवाही से ध्यान भटकाने के लिए मानवीय कमजोरियों पर आडंबर टिप्पणी करने के लिए मीडिया पतवार का काम कर रही है। हादसों के इसी डर के बैठे होने के चलते आज दुर्घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। जहाँ भी हादसा होने की ज़रा सी भी खामी दिखती है, वहीं ज़िम्मेदार हाथ खड़ा कर लेते हैं। अपने सरकारी हादसा प्रबंधन वाले माननीय बस दुःख का बिन बजा देता है लेकिन इस्तीफा नहीं देता है। आज का विपक्ष और जनता जानती है कि भैंस के आगे बीन बजाने पर हो सकता है कोई एक्शन। पर जनाब इस्तीफा का राग बजाने का लाभ नहीं होता। भले ही माननीय की गलती पकड़ ली जाए पर उनकी अकड़ नहीं जाएगी।

अगर हादसा होने से पहले ही हादसा रोक लिया जाए तो हादसे में घायलों के प्रति सांत्वना और मरे हुओं के प्रति शोक व्यक्त करने की लाभकारी प्रपंच अहितकारी हो जाएगा। घड़ियाली आँसू नेताओं की कैसे निकलेगी, यही हादसे तो मौका है चौका मारने के लिए सीधा वोट झोली में आ गिरता है। देश के नेता से सब कुछ छीनो, पर कम से कम सांत्वना देने का, शोक व्यक्त करने का अधिकार तो उनसे मत छिनो ईमानदारी बहिन! अगर जो हादसे होने से पहले ही रोक दिए तो माननीय बुरा नहीं मान जाएँगे क्या? माननीय द्वारा बनाई जाँच कमेटी क्या करेगी? उनका हाज़मा कैसे ठीक होगा? किसी के पेट पर लात तो न मारो। पेट तो सबके बराबर होते हैं, क्या माननीय के क्या जनता के! इसलिए हादसों का जिम्मेदार कौन, पापी पेट के लिए सब मौन!

चिंतन

अरुण कुमार डनायक

लेखक गांधी विचारों के अध्येता और समाज सेवी हैं।

गांधीजी की नैतिक दृष्टि और पश्चिम एशिया का संकट

दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए गांधीजी के हर्मन कैलनबैक, हेनरी पोलक और जोसेफ रॉयड्स जैसे अनेक यहूदियों से मैत्रीपूर्ण संबंध बने। गांधीजी ने 'हरिजन' में 26 नवंबर 1938 को यहूदियों की समस्या पर लिखते हुए यह स्पष्ट किया कि वे यहूदियों के साथ हो रहे अन्याय को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा, 'यहूदियों को अपने अधिकार के लिए हिटलर के खिलाफ संघर्ष अवश्य करना चाहिए, लेकिन अहिंसा के रास्ते पर चलकर।' गांधीजी चाहते थे कि यहूदियों के साथ उसी भूमि पर न्यायसंगत व्यवहार हो, जहाँ वे जन्मे, पले और विकसित हुए हों। गांधीजी मानते थे कि यहूदियों का फिलिस्तीन पर दावा नैतिक रूप से उचित नहीं, क्योंकि वह भूमि अरबों की है। यहूदियों की वापसी ऐतिहासिक गलतियों के आधार पर न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बाइबल या धर्मशास्त्रों के आधार पर किसी भूमि पर दावा करना आधुनिक राजनीति में उचित नहीं है।

फिलिस्तीन का मुद्दा धर्म, भूमि और पहचान से जुड़ा एक सदी पुराना संघर्ष है। इज़राइल-ईरान तनाव के साथ यह वैश्विक चिंता का विषय बन गया है, जिसके अमेरिका, रूस और चीन जैसी शक्तियों की भागीदारी से महायुद्ध में बदलने की आशंका है। यह संकट वैश्विक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को चुनौती देता है। इसका समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और गांधीवादी अहिंसा में निहित है।

दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए गांधीजी के हर्मन कैलनबैक, हेनरी पोलक और जोसेफ रॉयड्स जैसे अनेक यहूदियों से मैत्रीपूर्ण संबंध बने। गांधीजी ने 'हरिजन' में 26 नवंबर 1938 को यहूदियों की समस्या पर लिखते हुए यह स्पष्ट किया कि वे यहूदियों के साथ हो रहे अन्याय को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा, 'यहूदियों को अपने अधिकार के लिए हिटलर के खिलाफ संघर्ष अवश्य करना चाहिए, लेकिन अहिंसा के रास्ते पर चलकर।' गांधीजी चाहते थे कि यहूदियों के साथ उसी भूमि पर न्यायसंगत व्यवहार हो, जहाँ वे जन्मे, पले और विकसित हुए हों। गांधीजी मानते थे कि यहूदियों का फिलिस्तीन पर दावा नैतिक रूप से उचित नहीं, क्योंकि वह भूमि अरबों की है। यहूदियों की वापसी ऐतिहासिक गलतियों के आधार पर न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बाइबल या धर्मशास्त्रों के आधार पर किसी भूमि पर दावा करना आधुनिक राजनीति में उचित नहीं है।

यह वक्तव्य गांधीजी की उस मूल सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें वे धर्म या इतिहास के आधार पर भूमि पर स्वामित्व को अस्वीकार करते हैं। उन्होंने अरबों के अधिकार को प्राथमिकता दी और यहूदियों से आग्रह किया कि वे अरबों के साथ अहिंसा और सहयोग के आधार पर सह-अस्तित्व का मार्ग अपनाएं।

गांधीजी ने इज़राइल के गठन से पहले फिलिस्तीन में चल रहे यहूदी आतंकवाद की निंदा की, इसे नैतिक पतन बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा से प्रतिशोध न्याय नहीं, और आतंकवाद किसी धर्म या उद्देश्य को पवित्र नहीं करता। वे मानते थे कि यहूदियों को केवल उसी पर संतोष करना चाहिए जिसे वे अपने ईश्वर यहोवा से विरासत में प्राप्त मानते हैं, और अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए न तो ब्रिटिश सत्ता पर निर्भर रहना चाहिए, न ही अमेरिकी समर्थन की आस रखनी चाहिए। गांधीजी के अनुसार, न्याय का मार्ग आत्मनिर्भरता, नैतिक बल और आपसी सौहार्द्र के आधार पर ही टिकाऊ हो सकता है। गांधीजी ने अरबों को यह संदेश दिया था कि वे धैर्य, संयम और अहिंसा का मार्ग न छोड़ें। उन्होंने अरबों से आग्रह किया कि यहूदियों से उनका विरोध अस्मिता के आधार पर हो, घृणा के आधार पर नहीं। यह एक संतुलित दृष्टिकोण था, जिसमें संघर्ष का समाधान नैतिक आधार पर खोजा गया। गांधीजी ने ईरान को भारत का आत्मीय व सांस्कृतिक मित्र माना और दोनों देशों के संबंधों को सांस्कृतिक व आध्यात्मिक आधार पर परिभाषित किया।

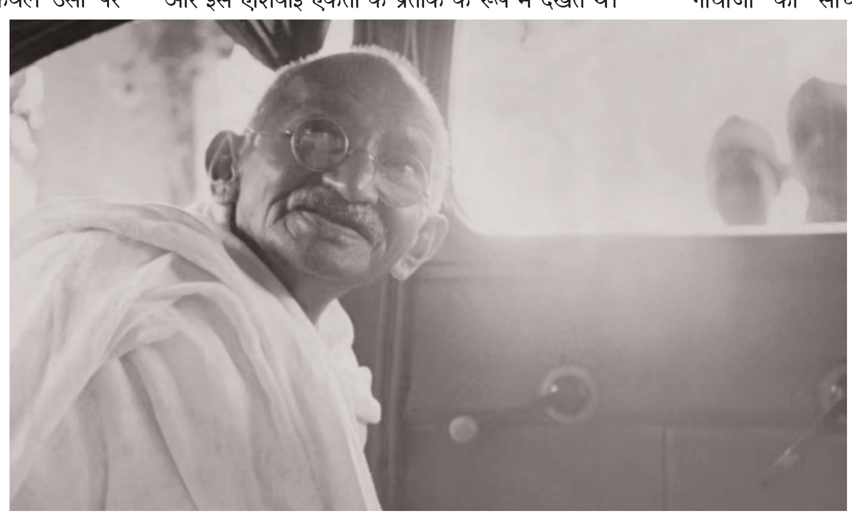

'जेंद-अवेस्ता' जैसे ग्रंथों में निहित समन्वय को वे सम्मान का प्रतीक मानते थे। जनवरी 1948 की एक प्रार्थना सभा में व्यक्त यह विचार प्रेम और भाईचारे को सच्चे धार्मिक मूल्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं । गांधीजी का दृष्टिकोण भारत-ईरान संबंधों को शांति और सहयोग के आधार पर मजबूत करने की प्रेरणा देता है। वे पश्चिम एशिया के साथ भारत के संबंधों को महत्वपूर्ण मानते थे और इसे एशियाई एकता के प्रतीक के रूप में देखते थे।

2024 में इज़राइल के लेबनान और गाजा में हवाई हमले और ईरान के प्रॉक्सी संगठनों (जैसे हिजबुल्लाह) के जवाबी हमलों ने तनाव बढ़ाया है। साइबर युद्ध और सामरिक धमकियाँ क्षेत्र को अस्थिर कर रही हैं। यह स्थिति गांधीजी की अहिंसा और संवाद की सीख से विपरीत है। इज़राइल का यहूदी राष्ट्रवाद, सुरक्षा के नाम पर सैन्य कार्रवाइयाँ, और ईरान की धार्मिक कट्टरता व प्रॉक्सी युद्ध गांधीजी की संवाद, सह-अस्तित्व और सत्याग्रह की नैतिक दृष्टि से विपरीत हैं। इस संघर्ष में मानवीयता को सबसे अधिक क्षति पहुँच रही है।

गांधीजी की सोच के आलोक में इज़राइल-फिलिस्तीन और इज़राइल-ईरान संघर्ष का दीर्घकालिक समाधान इन सिद्धांतों में निहित है—साझा सह-अस्तित्व की भावना, जहां यहूदी, अरब और फारसी समुदाय साझा इतिहास व संस्कृति को अपनाएं; युद्धोन्माद के बजाय अहिंसक संवाद और अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता को प्राथमिकता दी जाए; तथा धर्म और राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर मानवीय सहिष्णुता और करुणा को पुर्नस्थापित किया जाए। भारत, जो बुद्ध और गांधी की धरती है और आज एक उदियमान वैश्विक शक्ति है, उसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह इज़राइल-फिलिस्तीन और इज़राइल-ईरान जैसे संघर्षों में शांतिपूर्ण समाधान का मार्ग प्रशस्त करे। इन जटिल मुद्दों को केवल सामरिक या धार्मिक चश्मे से देखना एक सीमित दृष्टिकोण है। भारत को चाहिए कि वह मध्यपूर्व के देशों के बीच संवाद, न्याय और अहिंसा का सेतु बने।

विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या और लोकतंत्र के रूप में ख्यात भारत की जिम्मेदारी बनती है कि वह संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स , जी-7 व 20 , संघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर हथियारों की होड़ और सैन्य आक्रामकता का स्पष्ट विरोध करे। हाल के वर्षों में भारत की कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मतदान से अनुपस्थिति उसकी नैतिक और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं कही जा सकती। भारत को तटस्थता से ऊपर उठकर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, संवाद और न्याय के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए । भारत को चाहिए कि वह केवल रणनीतिक संतुलन बनाए रखने तक सीमित न रहे, बल्कि संवाद, न्याय और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पक्ष में स्पष्ट व सक्रिय भूमिका निभाए—ताकि वह केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक नेतृत्व का प्रतीक भी बन सके।

भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध गांधीजी के विचारों से प्रेरित रहे हैं। ऐसे में भारत का कर्तव्य है कि वह ईरान को अलग-थलग करने के प्रयासों में भागीदार बनने के बजाय उसे संवाद और सहयोग की प्रक्रिया में सहभागी बनाए।

महात्मा गांधी हमें एक व्यापक नैतिक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जिसमें सत्य, अहिंसा, समता और सह-अस्तित्व जैसे मूल्यों के आधार पर समाधान की तलाश की जाती है। आज का विश्व यदि गांधीजी के उस नैतिक चश्मे से इन समस्याओं को देख सके, तो न केवल फिलिस्तीन बल्कि पूरा पश्चिम एशिया एक बार फिर शांति, सहयोग और मानवता की राह पर लौट सकता है।

साहित्य

अलका तिवारी

कवियित्री एवं शिक्षिका

मां के इर्द-गिर्द रचा बसा साहित्य कर्म

मां स्वयं में एक ब्रह्माण्ड है। वह स्नेह,समर्पण और संवेदनाओं का अनंत सागर है।वह स्वयं अक्षर ब्रह्म है जिस पर लिखना केवल मन को समझाना है। परंतु अपनी मां के संघर्ष को सार्वजनिक तौर पर महिमा मंडित कर उसे प्रतिष्ठित करना ही यदि संतान का एकमात्र उद्देश्य और संकल्प हो तो वह लेखन, उसकी स्मृतियां चिर स्थाई हो जाती है। मालवा के चर्चित रचनाकार और शिक्षाविद् कारुलाल जमडा 'कारुण्य' का लेखन भी मां के प्रति इसी स्नेह, समर्पण और संकल्प से होकर गुजरता है। उनकी पुस्तक 'वह बजाती ढोल' का बालीवुड के गीतकार यशपाल तंवर ने 'ढोल की थाप' नामक नाट्य रूपांतरण भी किया है। नेपाल की एक ख्यात कवियित्री भावना पराजुली द्वारा 'तूझे सब है पता मेरी मां' पुस्तक का नेपाली अनुवाद भी हो चुका है।प्रारंभिक दो पुस्तकों का विमोचन तो स्वयं मां के हाथों हुआ और पुस्तक पर मिले सम्मान भी लेखक बेटे ने मां और पिताजी की उपस्थिति में ग्रहण किए। इससे बढ़कर लेखक बेटे के लिए भला क्या खुशी हो सकती है? मां ही नहीं वे अपनी सासु मां पर भी एक पुस्तक लिख चुके हैं।अपनी मां स्व.कलावती जी की प्रेरणा से ही गत तीन दशकों से लेखन से जुड़े श्री जमडा के लेखन में मां के प्रति स्नेह और समर्पण की एक बानगी देखिए इन पुस्तकों के जरिए ---

1. वह बजाती ढोल और अन्य कविताएं

वर्ष 2015 में वांग्मय प्रकाशन,अलीगढ़ से प्रकाशित इस कृति में लेखक ने हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि सुर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की कृति 'सरोज स्मृति' और 'वह तोड़ती पत्थर' से प्रेरित होकर अपनी मां ,जिसने अपने पति के संग ढोलवादन सीखकर और दिन-रात कठोर संघर्ष करते हुए अपने चार बच्चों में पढ़ाई की ज्योति जलाई और उन्हें उच्च शिक्षित किया, के जीवन संघर्षों पर 'वह बजाती ढोल' में एक लम्बी मुक्त छंद की कविता के माध्यम से उनके संघर्ष और आजीविका को प्रतिष्ठापित करते हुए अपनी भावनाओं को उकेरा। इस पुस्तक का विमोचन विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रसिद्ध कुलानुशासक डॉ.शैलेन्द्र कुमार शर्मा, राष्ट्रीय छायाकार श्री बंशीलाल परमार, मशहूर चित्रकार महावीर प्रसाद वर्मा,साहित्यकार प्रतीक सोनवलकर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था। पुस्तक की अनेक समीक्षाएं प्रकाशित हुई और उसे भोपाल का प्रसिद्ध अंबिका प्रसाद दिव्य राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।यह उस वर्ष का चर्चित कविता संग्रह था।

2. सफ़र संघर्षों का (वह बजाती ढोल भाग-2)

वर्ष 2017 में बोधि प्रकाशन जयपुर से प्रकाशित इस पुस्तक में लेखक ने अपनी एक लम्बी कविता में मां के उस आंतरिक संघर्ष का वर्णन किया जो उन्हें अपने बेटे याने लेखक के अंतर्जातीय विवाह के पश्चात करना पड़ा। हिन्दी भाषा के प्राध्यापक और हिन्दी के वरिष्ठ विद्वान डा.शैलेन्द्र शर्मा इस पुस्तक को मां का ही नहीं अपितु स्वयं रचनाकार का आंतरिक संघर्ष भी कहते हैं। इस पुस्तक की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी कि इसकी भूमिका मां सरस्वती के मुर्धन्य उपासक आदरणीय बालकवि बैरागी जी ने बहुत भावनात्मक शब्दों में लिखी है। उनके अनुसार भावनाओं की गहराई, मालवी के शब्दों की बहुतायत और सहज,सरल शब्दों में अपनी बात कहकर इस संग्रह को लेखक ने पाठकों के बहुत निकट ला दिया है और हर कविता पाठक को अपनी लगती है। अपने पैतृक गांव के प्रति अपार प्रेम भी इस संग्रह की कविताओं में झलकता है। पुस्तक का विमोचन राजस्थान संगीत नाटक अकादमी,जयपुर के महेश कुमार पंवार के आतिथ्य में तत्कालीन साहित्यकार और उपायुक्त प्रतीक सोनवलकर एवं डा.शैलेन्द्र शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था। कविता संग्रह को उज्जैन का अखिल भारतीय शब्द प्रवाह साहित्य सम्मान प्राप्त हुआ था।

3. तुझे सब है पता मेरी मां

वर्ष 2022 में लेखक की यह पुस्तक उनकी मां के कोरोना में देहांत के पश्चात प्रकाशित हुई है। लेखक ने कोविड के दौरान मां की असामयिक मृत्यु, मां को न बचा पाने की अपनी हताशा और गहरे पश्चाताप को कविता में पिरोया है। मां के जाने के पश्चात गहरे अवसाद से ग्रसित बेटे की मां को यह अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि है। लेखक के अनुसार उसने मां के दुःख में इस गीत को बार-बार सुना और करुण एवं शोकाकुल ह्दय में एक नई कविता प्रस्फुटित हुई। कविता मां के सम्पूर्ण व्यक्तित्व और कृतित्व सहित उनकी यादों को समर्पित है। मां की प्रत्येक विशेषता और स्मृति पर यहां एक कविता है। पुस्तक का आवरण मां के नदियों के प्रति प्रेम को और मां गंगा और बनारस में मां के तीर्थाटन की उस गहरी इच्छा को प्रकट करता है जो पूरी नहीं हो पाती थी। संतों के प्रति मां की गहरी निष्ठा को पुस्तक के आरम्भ में पांच पवित्र नदियों पर अवस्थित संतों की अमृतवाणी से सुशोभित किया गया है। इस संग्रह में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ.विकास दवे, प्रख्यात हिन्दी मनीषी डॉ.जयकुमार जलज, डॉ.मुरलीधर चांदनीवाला जी की महत्वपूर्ण साहित्यिक टिप्पणियां भी है। पुस्तक को रुद्रादित्य प्रकाशन, प्रयागराज ने प्रकाशित किया है। यह भाव एक प्रकार से बेटे की ओर से मां का त्रिवेणी स्नान है।

4. शी बिट्स इन मी

2023 में प्रकाशित अंग्रेजी कविताओं का संग्रह जिसमें लेखक ने बहुत छोटी कविताओं में मां को श्रद्धांजलि समर्पित की है।यह संग्रह छत्तीसगढ़ से प्रकाशित हुआ है। यह पुस्तक अंग्रेजी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और विश्व भर में फैले अंग्रेजी सोशल मीडिया के कविता समूहों में बहुत लोकप्रिय हुई है।

5. एक थी आई

2024 में ही इस पुस्तक में लेखक ने अपनी सासू मां को भी मां जैसा ही महत्वपूर्ण मानते हुए उन्हें अपने भाव पुष्पों को समर्पित किया है। इस तरह की रचनाएं सामान्यतः कम देखने को आती है। इस प्रकार लेखक का बड़ा साहित्यिक रचनाकर्म मां के प्रति श्रद्धा और आस्था से ओतप्रोत है ।

मां के साथ ही अपने पिताजी पर भी श्री जमडा एक संग्रह प्रकाशित कर चुके हैं जिसका विमोचन उनके ही हाथों हुआ था। माता-पिता पर यह भावनात्मक समर्पण दुर्लभ है।

पर्यावरण

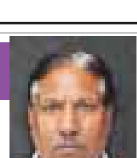

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढ़ते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा-सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एंड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढ़ते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गो और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढ़ने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ़ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कंक्रिट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं। इसी तरह से जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रुप में ईवी वाहनों के प्रोत्साहन के साथ ही दबे स्वर में यह रिपोर्ट आने लगी है कि ईवी का भी असर तापमान बढ़ोतरी पर पड़ेगा। हालात यहां तक होने लगे हैं कि हीट स्ट्रोक के कारण लोगों की ही नहीं जानवरों की भी जान जाने लगी है।

ग्लोबल हीट एक्शन डे के आयोजन के पीछे लोगों को हालात की गंभीरता से सजग करना और अत्यधिक हीटवेव से बचने के लिए सतर्क और सजग करना है। तापमान की बढ़ोतरी का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि स्थानीय निकायों द्वारा तापमान अधिक होने पर आमनागरिकों को राहत देने के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया जाने लगा है तो जयपुर सहित कई शहरों में सिग्नल वाले रास्तों पर गर्मी से राहत के लिए हरा पर्दा टांगा जाने लगा है। हीट एक्शन डे के माध्यम से लोगों को सजग करना, हीटवेव से बचने व सुरक्षा के उपायों खासतौर से भूखे पेट नहीं रहना, पानी व तरल पदार्थ का अधिक सेवन के साथ ही छाया में रहने और ढीले कपड़े पहने के साथ ही शरीर को ढक के रखना आदि के प्रति अवेयर करना है। आज लोगों में पशुपक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता बढी है और गर्मी के चलते दाना-पानी की व्यवस्थाएं एक अभियान के रुप में की जाने लगी है। खैर यह तो व्यक्तिगत प्रयासों की बात हुई पर तापमान के चलते जंगलों में दावानल, समुद्र किनारें के शहरों के लिए खतरा व एक ही बरसात में बाढ़ जैसे हालात होना, आंधी तूफान के कारण जन-धन हानि और अन्य समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में अभी भी समय है कि हम सजग हो जाएं और प्रकृति से खिलवाड़ कर प्रकृति को विकृति बनाने के स्थान पर प्रकृति को विकास का वाहक बनाने में उपयोग करें तो यह अधिक सकारात्मक होगा। इसके लिए बीट द हीट के हैसटेग से संदेश देने का आह्वान भी लगातार किया जा रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि अब सोचने का समय नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने का समय आ गया है और इसके लिए समग्र व ठोस प्रयास करने होंगे।

जिले में खरीदी के लिए बनाये 34 केन्द्र

आज से शुरू होगा मूंग-उड़द खरीदी के लिए पंजीयन

संजय द्विवेदी, बैतूल। प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द को समर्थन मूल्य पर खरीदी का निर्णय लिया है। समर्थन मूल्य में मूंग एवं उड़द खरीदी के लिए 19 जून से पंजीयन प्रारंभ होगा। सरकार ने इस संबंध में संबंधित विभाग एवं एजेंसियों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। जिसके बाद विभाग ने खरीदी को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए जिलेभर में 34 खरीदी केन्द्र बनाये जा रहे है। बता दे कि जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग 15900 हेक्टेयर रकबे में बोई गई थी और बड़े पैमाने पर मूंग का उत्पादन भी हुआ है, लेकिन समर्थन मूल्य में खरीदी शुरू नहीं होने से किसान उपज को मंडी में बेच रहे थे, जहां किसानों को 5 से 6 हजार रुपये प्रति क्विंटल मूंग बेचना पड़ रहा था। लेकिन अब सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में मूंग-उड़द खरीदी के निर्णय से किसानों में हर्ष का माहौल है, क्योंकि समर्थन मूल्य में मूंग -उड़द की खरीदी की घोषणा होते ही मंडी में मूंग के दामों में तेजी देखी गई। बुधवार को बडोरा मंडी में मूंग के न्यूनतम दाम 6100 और अधिकतम दाम 7500 रुपये तक रहे।

5 जुलाई तक होंगे पंजीयन- सरकार ने मूंग के पंजीयन को लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं। पंजीयन 19 जून से 5 जुलाई तक होंगे। साथ ही उड़द का भी समर्थन मूल्य के लिए पंजीयन किया जाएगा। इस साल मूंग का समर्थन मूल्य 8768 रुपए है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पंजीयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा या परेशानी किसानों को न हो। कलेक्टर ने पंजीयन केंद्रों की सतत निगरानी और निरीक्षण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ताकि सभी व्यवस्थाएं सही और समय पर हो सके। कलेक्टर ने कहा कि पंजीयन केंद्रों पर हर प्रकार की सुविधा सुनिश्चित की जाए, ताकि किसान आसानी से अपना पंजीयन करा सकें। इसके अलावा किसानों को पंजीयन के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज या अन्य आवश्यक जानकारी के बारे में पूर्व में सूचना दी जाए, ताकि वे पूरी तैयारी के साथ पंजीयन करवा सकें।

जिले में बनाये 34 केंद्र, घोड़ाडोंगरी ब्लॉक में सबसे अधिक- जिले में इस बार 15900 हेक्टेयर में किसानों ने मूंग लगाई थी। कुछ किसानों ने सरकारी खरीदी नहीं होने के कारण मूंग मंडी में बेच दी है। वहीं कई किसान समर्थन मूल्य में मूंग की खरीदी का रास्ता देख रहे थे। आखिरकार किसानों की मांग पूरी हुई और सरकार ने मूंग-उड़द को समर्थन मूल्य में खरीदी की घोषणा की। जिसके लिए जिले में 36 केन्द्र बनाये गये है। पंजीयन के लिए जिले में सहकारी समिति आठनेर, सहकारी समिति हिडली, आमला, जम्बाड़ा, रानीपुर, प्राथमिक चोपना, घोड़ाडोंगरी, कुरी रानीपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित सारणी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित पाढर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चिचोली सहित जिले के अन्य ब्लॉकों में 34 केंद्र बनाए हैं। सबसे अधिक केंद्र घोड़ाडोंगरी ब्लॉक में बनाए गए हैं।

पिछले साल 8682 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा था मूंग

इस साल सरकार ने मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8768 रुपए तय किया है, जबकि पिछले वर्ष 2024-25 में 8682 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से मूंग की खरीदी की थी। वहीं मंडी में किसानों को मूंग के दाम 6 से 7 हजार रुपए तक मिल रहे थे। जिससे किसानों को एक से डेढ़ हजार रुपए प्रति क्विंटल नुकसान उठाना पड़ रहा था। किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य में खरीदी शुरू होने से किसानों को मूंग फसल के उचित दाम मिलेगे। मंडी में दाम कम मिलने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा था। लेकिन अब सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी से किसानों में खुशी का माहौल है।

इनका कहना है –

समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के निर्देश मिले है। जिसके तहत जिले में 36 खरीदी केन्द्र बनाये जायेगे। गुरूवार 19 जून से मूंग खरीदी को लेकर पंजीयन भी शुरू हो जायेगा। किसान आवश्यक दस्तावेज ले जाकर पंजीयन करवा सकते है।

– आनंद बडोनिया, उप संचालक, कृषि विभाग बैतूल

जिले में 21 जून को वृहद स्तर पर मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित होगा जिलास्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम

बैतूल। 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को जिले में वृहद स्तर पर मनाया जाएगा। इस अवसर पर शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में सामूहिक योग शिविरों का आयोजन भी होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में जिलास्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिलास्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम के लिए जिला शिक्षा अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने आपसी समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अंतर्राष्टीय योग दिवस के अवसर पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कार्यक्रम आयोजित कर सभी अधिकारी और कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने के निर्देश दिए है।

11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून को- बैतूल 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये है। जारी आदेश अनुसार अंतर्राष्टीय योग दिवस के लिए जिले की समस्त संस्थाओं को प्रेरित किया जायेगा, सभी कार्यक्रम आयोजकों को अपना पंजीयन कराना होगा। इसका पंजीयन लिंक पर होगा। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकायों मुख्यालय एवं समस्त वार्डों में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कराया जायेगा। योग दिवस के कार्यक्रम के लिए भारत सरकार द्वारा योग निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के लिए जिले में पतंजलि योग संस्थान, जन अभियान परिषद, म.प्र. योग आयोग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के योग इंस्ट्रक्टर व योगा वालंटियर का भी सहयोग लिया जाएगा। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का 21 जून के योग दिवस कार्यक्रम में संबोधन का सीधा प्रसारण प्रदेश के समस्त ग्रामों एवं वार्डो में किया जायेगा। यह कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 7.45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिला स्तर पर योग प्रशिक्षक एवं वालंटियर्स को ट्रेनिंग कराने के लिए आयुष विभाग द्वारा ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार किया गया है जिसके माध्यम से 19 एवं 20 जून को ऑनलाइन ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज से होगा शुरू

भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योग समिति की पहल

बैतूल। आने वाले 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योग समिति द्वारा तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हो गई है। यह शिविर फिल्टर प्लांट के पीछे माचना नदी विसर्जन घाट, विवेकानंद वार्ड बैतूल में आयोजित किया जा रहा है। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े ने बताया कि 19, 20 एवं 21 जून को प्रतिदिन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जाएगा और प्रतिभागियों को योग के महत्व की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस शिविर के माध्यम से लोगों को यह बताया जाएगा कि नियमित योग और आयुर्वेद के माध्यम से कैसे बड़ी-बड़ी बीमारियों से बचाव और उपचार संभव है। शिविर पूर्णतः निःशुल्क है और इसमें भाग लेने के लिए सभी योग साधकों, नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं से अपील की गई है। सुनील कुबड़े ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शुद्धता का भी मार्ग है। उन्होंने सभी से इस योग साधना से जुडने् का आग्रह किया है। इस प्रशिक्षण शिविर में पतंजलि के प्रशिक्षक हितेश पटेल, शिखा बारस्कर, बिमल दुबे, विनोद परिहार एवं संतोष तोमर द्वारा योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान विधियों का अभ्यास कराया जाएगा, जिससे साधक अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य को बनाए रख सकें।

21 जून को नीम के पेड़ की 31 वीं वर्षगांठ

भोपाल। आज के युग में जब सब आत्मकेंद्रित होकर केवल स्वयं में लिप्त हैं, यह आश्चर्य की बात है कि एक अदने से मार्केट के छोटे व्यवसायीगण 31 वर्षों से अनवरत रूप से न केवल खुद द्वारा रोपे गए एक नीम के पेड़ को अपने बच्चे जैसा पाल पोस रहे हैं, अपितु उसका जन्म दिवस भी हर वर्ष पूरी शिद्दत, समर्पण और श्रद्धा के साथ मनाते आ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हेतु साधन के सीमा के बावजूद कर्तव्य परायणता का ऐसा दूसरा उदाहरण कठिनाई से ही मिलेगा। हर्ष की बात तो ये है कि यह 'नीम का पेड़' इस वर्ष अपने जीवन के 31 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर पल्लवित है। इस दौरान इसने सम्पूर्ण समाज को पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संदेश प्रदान किया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण को समर्पित इस अनमोल धरोहर की 31 वीं वर्षगांठ आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार उपाध्याय, इकाई प्रमुख, भेल, विशिष्ट अतिथि हरेंद्र नारायण, आयुक्त, नगर निगम, भोपाल, राजेश भदौरिया, पुलिस अधीक्षक, विशेष कार्य बल, भोपाल तथा सम्माननीय अतिथि भेल महाप्रबंधकगण जीपी बघेल, शैलेंद्र महाजन, हेम राम पटेल, संतोष गुप्ता सहित टीयू सिंह, नगर प्रशासक होंगे। आयोजन की अध्यक्षता विजय जोशी, पूर्व ग्रुप महाप्रबंधक, भेल करेंगे।

यह आयोजन आदर्श मार्केट, पिपलानी में 21 जून, शनिवार सुबह 10.15 बजे सम्पन्न होगा। यह जानकारी प्रवक्ता राजकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष एवं सुधीर पंड्या द्वारा प्रदान करते हुए पर्यावरण प्रेमी सुधीजनों को सपरिवार सादर आमंत्रित किया गया है।

निशिता की मोटिवेशनल स्टोरी

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो चुपचाप बड़े काम करते हैं, और उनके नेक इरादे समाज की तस्वीर बदलने की ताकत रखते हैं ....

गुजरात की निशिता राजपूत प्रेरणादायक नारी शक्ति है, जिन्होंने 10 वर्षों में 34,500 बच्चियों की स्कूल फीस भरकर उनकी शिक्षा का रास्ता रोशन किया है। आज के दौर में जब समाज में दिखावे और प्रचार की होड़ मची हुई है, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो चुपचाप बड़े काम करते हैं, और उनके नेक इरादे समाज की तस्वीर बदलने की ताकत रखते हैं। गुजरात की निशिता राजपूत ऐसी ही एक प्रेरणादायक महिला हैं, जिन्होंने बीते 10 वर्षों में 34,500 बच्चियों की स्कूल फीस भरकर उनकी शिक्षा का रास्ता रोशन किया है। आज निशिता न केवल उन बच्चियों की रोल मॉडल बनी है बल्कि वे नारी शक्ति का परचम फहरा रही है। निशिता जैसी अदम्य साहस से भरी नारी शक्ति कई लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनकर उभरी है ।

MANTRA OF SUCCESS

राजेश शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार-मोटिवेशनल स्पीकर

अब तक निशिता करीब 3 करोड़ 80 लाख रुपये केवल इन बच्चियों की पढ़ाई पर खर्च कर चुकी हैं। यह कोई सरकारी योजना या बड़ी एनजीओ की मदद से नहीं, बल्कि उनके स्वयं के प्रयासों और सामाजिक सहयोग से संभव हुआ है। इतना बड़ा काम करने के बावजूद, उन्हें मीडिया में जगह नहीं मिली, ना कोई बड़ा सम्मान। लेकिन यह भी उनकी सादगी और सेवा भावना को ही दर्शाता है, वे प्रचार के लिए नहीं, बदलाव के लिए काम कर रही हैं।

शिक्षा, विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा, समाज के विकास की नींव है। जब एक लड़की पढ़ती है, तो पूरा परिवार, और आगे चलकर पूरा समाज जागरूक बनता है। निशिता राजपूत का यह योगदान सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का बीजारोपण है। निशिता जैसी देश की बेटियां अनमोल धरोहर है जो बिना किसी सुविधा, साधन के भी समाज में क्रांति लाने का माद्दा रखती है। निशिता राजपूत का कार्य प्रेरणादायक है कि कैसे एक व्यक्ति अपने दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से समाज में सार्थक बदलाव ला सकता है। धन्य है नारी शक्ति, धन्य है निशिता राजपूत जैसी भारत की धरोहर.... ।

एम्स भोपाल में ऑटिस्टिक प्राइड डे पर जन-जागरूकता अभियान का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा 18 जून 2025 को ऑटिस्टिक प्राइड डे के अवसर पर एक विशेष जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह दिवस विश्वभर में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार से जुड़े व्यक्तियों की विशिष्ट क्षमताओं, पहचान और अधिकारों को सम्मान देने हेतु मनाया जाता है। इस अवसर पर आम लोगों को ऑटिज़्म के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार एक ऐसा न्यूरोलॉजिकल विकासात्मक अंतर है, जिसमें व्यक्ति की सामाजिक बातचीत, संवाद, व्यवहार और सोचने के तरीके में सामान्य से भिन्नता देखी जाती है। इसे एक न्यूरो- विविधता माना जाता है – अर्थात दुनिया को समझने, अनुभव करने और प्रतिक्रिया देने का एक अलग लेकिन समान रूप से मूल्यवान तरीका। कुछ ऑटिस्टिक व्यक्तियों में विशेष क्षेत्रों में असाधारण क्षमताएं भी देखी जाती हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत एम्स भोपाल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा संवाद सत्र, जानकारीपूर्ण प्रदर्शनियाँ, और व्यावहारिक मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए।

इनमें ऑटिज़्म के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, इससे जुड़े सामाजिक और पारिवारिक पहलुओं की समझ, और सही सहयोग कैसे दिया जाए – इन सभी विषयों पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, जागरूकता, समावेशी समाज की दिशा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। ऑटिस्टिक प्राइड डे हमें यह याद दिलाता है कि हर व्यक्ति को, चाहे वह न्यूरोलॉजिकल रूप से भिन्न क्यों न हो, बराबरी का सम्मान और अवसर मिलना चाहिए। जब हम ऑटिज़्म को एक कमी नहीं, बल्कि सोच और अनुभव करने की एक अलग शैली के रूप में समझते हैं, तब हम एक ऐसे समाज का निर्माण करते हैं जो मानवता से परिपूर्ण होता है। यह अभियान आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, ताकि वे ऑटिज़्म से जुड़ी गलत धारणाओं को छोड़कर एक सहयोगी और संवेदनशील वातावरण बना सकें।

खबर का असर

सीमेंट रोड पर नपा ने लगाए पोल, बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

बैतूल। कोठीबाजार क्षेत्र में आए दिन लगने वाले जाम एवं यातायात व्यवस्था बेपटरी होने के बाद हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद मंगलवार शाम को आखिरकार नपा ने यातायात व्यवस्थत करने के लिए जयप्रकाश चौक, जहां से सीमेंट रोड पर एंट्री होती है, वहां बेरीकेटिंग पाइप लगा दिए है। शहर में कोठीबाजार क्षेत्र की सीमेंट रोड पर रिटेल दुकानों का मार्केट है, इसलिए इस रोड पर ग्राहकों और अन्य लोगों का आना-जाना बड़ी संख्या में लगा रहता है। चूंकि कुछ लोग इस छोटे से रोड पर चौपहिया वाहन लेकर पहुंच जाते हैं, जिससे बार-बार जहां जाम लगता है, वहीं दुकानदारों को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस मार्ग पर कुछ दुकानदार भी अपनी दुकान का सामान सडक़ तक रख देते है, जिसको लेकर कई बार नपा ने कार्यवाही की है। इन्हीं सब समस्याओं के निराकरण करने के लिए नगर पालिका परिषद बैतूल ने सीमेंट पर एक स्थान पर पोल लगाए हैं, ताकि इस मार्ग पर सिर्फ दोपहिया वाहन ही आ सके और दो वैकल्पिक मार्गों से दुकानों का सामान ऑटो के माध्यम से पहुंच सके। गौरतलब है कि कई वर्ष पूर्व भी जयप्रकाश चौक पर नगर पालिका परिषद ने ऐसे पोल लगाए थे, लेकिन कुछ दिनों बाद ही ये पोल गायब कर दिए गए थे। इस संबंध में लोगों का कहना था कि कुछ दुकानदार अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते रात में पोल हटाने का कृत्य करते हैं तांकि उनकी दुकान का सामान तत्काल उनकी दुकान तक पहुंच जाए। इधर कुछ लोगों का कहना है कि इस व्यवस्था से एक तरफ ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी, तो वहीं दूसरी ओर ग्राहकों को भी आने-जाने में सुविधा होगी।

इनका कहना है –

नगर पालिका ने सीमेंट रोड के व्यापारियों की बैठक ली थी। इसमें पोल लगाने का निर्णय लिया गया था। इसी के तहत आज यह पोल लगाए गए हैं।

– सुभाष प्रजापति,
प्रभारी राजस्व शाखा, नपा बैतूल

पड़ोसी की अभद्र हरकतों से परेशान महिला पहुंची एसपी कार्यालय

अश्लील इशारे और जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप

बैतूल। ग्राम कढाई की एक फरियादी महिला ने अपने पड़ोसी और उसके साले पर छींटाकसी, अश्लील इशारे करने, घर में घुसकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। महिला ने अनावेदकगण जगन्नाथ और उसके साले टुकडु के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की है। फरियादी महिला ने शिकायत में बताया कि उसके घर के सामने अनावेदक जगन्नाथ रहता है, जो पिछले 3-4 महीनों से उसे देखकर छींटाकशी करता है और अश्लील इशारे करता है। जब महिला ने इस घटना की जानकारी अपने पति अनिल को दी, तो उन्होंने जगन्नाथ को घर के सामने समझाने की कोशिश की। इस पर जगन्नाथ ने 15 जून को अनिल के सामने थूक दिया और वहां से चला गया। इसके बाद 17 जून को दोपहर लगभग 2 बजे अनावेदक का साला टुकडु महिला के घर में जबरन घुस गया। महिला ने आरोप लगाया कि उसने घर में घुसते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देने लगा। वह घर में किसी अनिल को खोज रहा था, जब कोई नहीं मिला तो उसने कहा कि मेरे पास टाटा सफारी गाड़ी है, जैसे ही वह रास्ते में मिलेगा, मैं उसे कुचल दूंगा और जितना पैसा लगेगा वह भर दूंगा, कहकर चला गया। महिला ने बताया कि घटना के वक्त उसका बेटा घर में मौजूद था, जिसे भी अनावेदक ने धक्का देकर धमकाया। पीड़ित महिला ने यह भी बताया कि टुकडु आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और वह किसी भी अनहोनी को अंजाम दे सकता है।

विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल में पीजी छात्रों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस 2025 के अवसर पर एक विशेष पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व बाल रोग विभाग द्वारा किया गया, जिसमें पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन तथा मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभागों का सक्रिय सहयोग रहा। इस अवसर पर बाल रोग, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन तथा जनरल मेडिसिन विभागों के जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने उत्साहपूर्वक एवं बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य पीजी छात्रों में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनकी शैक्षणिक समझ को सुदृढ़ करना, तथा आपसी प्रतिस्पर्धा एवं सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना था। यह क्विज ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर आयोजित की गई, जिसमें सिकल सेल रोग की सामान्य पृष्ठभूमि एवं प्रमुख चिकित्सकीय पहलुओं से संबंधित प्रश्न शामिल थे। क्विज का संचालन डॉ. पूजा सोनी (सीनियर रेजिडेंट) और डॉ. योगेन्द्र यादव (एसोसिएट प्रोफेसर, बाल रोग विभाग) द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों की तार्किक क्षमता एवं अकादमिक उत्कृष्टता को प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गौरव ढींगरा ने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और उन्हें सतत प्रयास के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रो. भावना ढींगरा ने विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनकी उत्साहपूर्ण सहभागिता की प्रशंसा की।

इस प्रतिस्पर्धा में डॉ. मोहनीश (जूनियर रेजिडेंट, पीडियाट्रिक्स) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि डॉ. सूर्या (जूनियर रेजिडेंट, जनरल मेडिसिन) द्वितीय स्थान पर और डॉ. स्वस्तिका (जूनियर रेजिडेंट, पीडियाट्रिक्स) तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर बाल रोग विभाग के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं सहायक कर्मियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, इस प्रकार की शैक्षणिक पहल हमारे युवा डॉक्टरों को ज्ञान एवं नैदानिक दक्षता से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, विशेषकर सिकल सेल एनीमिया जैसी बीमारियों के लिए, जो बहु-विषयी दृष्टिकोण और संवेदनशीलता की मांग करती हैं। मैं आयोजन करने वाले सभी विभागों को निरंतर सीखने और सहयोग की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए बधाई देता हूँ।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल भोपाल में विभिन्न पद/कार्य हेतु अस्थाई कुशल/अकुशल कर्मचारी की नियुक्ति(सिर्फ अस्थाई)

:: विज्ञप्ति ::

इस ग्रुप केन्द्र कैम्प परिसर के आवासीय व गैर–आवासीय भवनों के दिन–प्रतिदिन के रखरखाव का निष्पादन करने हेतु कुल–19 श्रमिक एवं कचरा संग्रह हेतु एक वाहन (ट्रैक्टर के साथ ट्रॉली एवं ड्राईवर तथा हेल्पर सहित) कुशल/अकुशल श्रमिक की नियुक्ति अस्थाई तौर पर किया जाना है।

भर्ती होने वाले अस्थाई कुशल/अकुशल श्रमिक को अधिकतम 89 दिनों के लिए भर्ती किया जायेगा तथा उनका दैनिक वेतन, केन्द्र सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या–F.No.1/6(3)/2025-LS-II) Dated 28/03/2025 एवं श्रमायुक्त कार्यालय, मध्यप्रदेश शासन, इन्दौर के पत्र कमांकः 6/11/अन्वे/पॉच/2024/10255, इन्दौर, दिनांक 28/03/2025 में निहित आदेश के अनुसूची–क में ट्रेड के आधार पर दैनिक वेतन निर्धारित किया गया है के अनुसार भुगतान किया जायेगा जो कि मासिक तौर पर देय होगा। रिक्त/भर्ती किये जाने वाले पदों का विवरण निम्नानुसार है :–

क0 सं0	कार्य/पद का नाम	अभ्युक्ति (Wages Head)	अभ्युक्ति (for FLM Head)	अभ्युक्ति (मदिरा सब कैन्टीन लाभांश से तथा हिरामन गैस एजेंसी लाभांश से)
01	इलेक्ट्रीशियन(कुशल)	03	–	–
02	प्लम्बर (कुशल)	01	–	–
03	मेसन(कुशल)	01	–	–
04	सफाई कर्मचारी (अकुशल)	02	10	–
05	एक कचरा संग्रह हेतु वाहन (ट्रैक्टर साथ में ट्रॉली एवं ड्राईवर तथा हेल्पर सहित)	–	01	–
06	हिरामन गैस एजेंसी से गैस सिलेण्डर आवासीय भवनों में पहुंचाने हेतु (अकुशल)	–	–	01
07	मदिरा सब कैन्टीन में टैली साफ्टवेयर तथा अन्य कार्यालय संबंधित कार्यों को करने हेतु सिविल लिपिक (कुशल)	–	–	01
	कुल	07	10 एवं 01 कचरा संग्रह वाहन	02

इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन उप महानिरीक्षक/संपदाधिकारी, ग्रुप केन्द्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, बंगरसिया, भोपाल (म0प्र0) के नाम पर लिखना होगा, जिसे ग्रुप केन्द्र के पराक्रम द्वार गेट नम्बर 02 से निम्न दस्तावेजों के साथ दिनांक 20/06/2025 सुबह 10:00 बजे मैन्स क्लब में रिपोर्ट करेंगे।

(सभी व्यक्तियों को कोविड–19 से बचाव हेतु भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।)

संलग्न किये जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों का विवरण :–

1) आवेदन पत्र।
2) आधार कार्ड की छायाप्रति।
3) कोई एक अन्य आई0डी0(पहचान पत्र)।
4) 02 नग पासपोर्टसाईज फोटोग्राफ।
5) इलेक्ट्रिशियन एवं पलम्बर हेतु आई0टी0आई0 व समतुल्य प्रमाणपत्र।
6) बचनबद्धता प्रमाण पत्र।
7) बैंक खाता का छायाप्रति।

सहायक कमाण्डंट (सामान्य)
ग्रुप केन्द्र के.रि.पु. बल, भोपाल (म.प्र.)

संक्षिप्त समाचार

एसजीएस कालेज बासौदा में एलएलबी की परीक्षा में पांच नकलची पकड़े गए

एसडीएम ने एक-एक लाख के मुचलके भरवाए

विदिशा (निप्र)। गंजबासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने शनिवार को को एसजीएस कालेज का निरीक्षण किया। यहां चल रही एलएलबी की परीक्षा में भोपाल की फ्लाइंग स्क्वाड दल के सदस्यों ने मौके पर पांच परीक्षार्थियों को नकल करते पकड़ा और उनके खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।एसडीएम श्री विजय राय ने बताया कि शनिवार 14 जून को मेरे द्वारा एसजीएस कालेज का भ्रमण किया गया। निरीक्षण भ्रमण के दौरान कालेज चल रही एलएलबी की परीक्षा के कक्षों में पहुंचकर जायजा लिया मौके पर फ्लाइंग स्क्वाड दल के सदस्यों ने पांच परीक्षार्थियों को नकल करतें पकड़ा उन 5 परीक्षार्थियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर एक-एक लाख रूपए के मुचलके भरवाए गए तत्पश्चात छोड़ने की कार्यवाही की गई है।

निमखिरिया गांव में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। ग्राम पंचायत निमखिरिया में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी एचआई मोहन लाल कुशवाह के नेतृत्व में एसडीईआरएफ टीम द्वारा बाढ से पूर्व तैयारी, आग की घटना में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव राफ्ट बनाना, कंबल, चादर से स्ट्रेचर बनाना, सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, सांप के काटने पर त्वरित कार्यवाही और सावधानियां तथा ड्राई रेस्क्यू, वज्रपात के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में आम जनों की सचेत, मोबाइल ऐप की भी जानकारी दी गई व एप डाउनलोड करने की सलाह दी गई। 09 लोगों को सचेत एप डाउनलोड करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, सहायिका एवं आशा, सहायक सचिव कोटवार एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। बारिश के दौरान जलमग्न स्थानों को पार न करने की शपथ भी दिलाई गई।

तहसीलदार ने सीमांकन कराया

विदिशा (निप्र)। नटेरन तहसील के ग्राम खडेर में सीमांकन संबंधी लंबित आवेदन का क्षेत्र के तहसीलदार श्री आनंद जैन ने स्वंय अपनी उपस्थिति में आवेदको की भूमि का सीमांकन कराकर आवेदन का संतुष्टिपूर्वक समाधान किया है। नटेरन तहसीलदार श्री आनंद जैन ने बताया कि ग्राम खडेर में सीमांकन के दो आवेदन लंबित थे जिसमें विक्रम राजपूत और मुरारी राठौर के आवेदनो पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सीमांकन कार्य संतुष्टिपूर्वक कराया गया है।

शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण

विदिशा (निप्र)।कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता का निर्देशन में जिले में संचालित शासकीय विद्यालयों की सघन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आज एपीसी श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा एवं जन शिक्षक तुलसी राम अहिरवार के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला धतूरिया का निरीक्षण प्रातः 9.15 बजे किया गया निरीक्षण के दौरान मौके पर समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। शाला में दर्ज छात्र 31 है एवं शाला में 10 ही छात्र उपस्थित मिले। शिक्षकों को शत-प्रतिशत छात्रों की उपस्थिति कराने के लिए निर्देशित किया गया है। शासकीय माध्यमिक शाला धतूरिया में भी 34 छात्र दर्ज हैं 11 छात्र उपस्थित मिले हैं। शाला में समस्त स्टाफ उपस्थित पाया गया। शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मूडरा हरिसिंह का निरीक्षण किया गया शाला में मात्र 7 छात्र उपस्थित मिले। शाला में पदस्थ शिक्षकों की संख्या पांच है एक शिक्षक श्रीमती चन्द्रकला सोनी सहायक शिक्षक बगैर सूचना के अनुपस्थित मिली। शा एकीकृत माध्यमिक शाला किरमची बंधेरा का निरीक्षण किया गया जिसमें समस्त स्टाफ उपस्थित मिला शाला में 60 छात्र दर्ज है लेकिन 15 छात्र ही उपस्थित मिले। इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक शाला ककरुआ चक्क में भी 22 छात्र दर्ज हैं लेकिन 13 छात्र उपस्थित पाए गए। कक्षा चैथी और 5वीं के छात्र गणित विषय के सवाल हल कर लेते हैं।

शिविरों में 333 जनजातीय समुदाय के हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

धरती आबा अभियान के तहत लगाए गए 04 जनपदों के 32 ग्रामों में शिविर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के उद्देश्य से जिले में संचालित किए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सीहोर जिले के चिन्हित 80 गांवों में 15 जून से 30 जून तक दिनांकवार शिविर लगना प्रारंभ हो गए हैं। इन शिविरों के माध्यम से चिन्हित गांवों में जनजातीय परिवारों के सदस्यों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। अभियान के दूसरे दिन भैरूंदा जनपद के 28, इछावर के 02, सीहोर के 01 और आष्टा के 01 ग्रामों में शिविर लगाकर 333 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित किया गया। अनेक शिविरों में हितग्राहियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

शिविर के प्रथम दिवस 333 हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

धरती आबा अभियान के तहत प्रथम दिवस में भैरूंदा जनपद के चिन्हित 28, इछावर के 02, सीहोर के 01 और आष्टा के 01 गांवों में शिविर लगाकर 333 हितग्राहियों का विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के लिए पंजीयन किया गया। शिविरों में हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना, केसीसी योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृवंदना योजना, बाल आर्शीवाद योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण एवं बोनस योजना, एकलव्य योजना, दिव्यांग पेंशन प्रोत्साहन योजना, कल्याणी पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, घरेलू कनेक्शन सब्सीडी योजना, पांच रूपये में नवीन विद्युत कनेक्शन योजना, पीएम आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के लिए पंजीयन किया गया। पात्रतानुसार सभी पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही अभियान के तहत सभी पात्र हितग्राहियों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन एवं बैंक खाता खोलना सहित अनेक सेवाओं के लिए पंजीयन भी किया गया।

अभियान के तहत लाभ लेने की कलेक्टर ने की अपील

कलेक्टर श्री बालागुरू के ने 15 जून से 30 जून तक चलाए जाने वाले धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित किए गए सीहोर जिले के 80 गांवों के जनजातीय समुदाय के नागरिकों से अभियान के तहत दिनांकवार लगने वाले शिविरों में उपस्थित होने और योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने अपील की है कि सभी पात्र हितग्राही शिविरों में उपस्थित हों और पात्रतानुसार शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ लें, ताकि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों का भी निरंतर विकास हो सके और कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

किसानों को पंजीयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो: कलेक्टर सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। जिले में विपणन वर्ष 2025-26 ग्रीष्मकालीन फसल मूंग और उड़द के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 19 जून से 5 जुलाई तक किया जाएगा। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पंजीयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा या परेशानी किसानों को न हो। इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए जिले में कुल 36 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने पंजीयन केंद्रों की सतत निगरानी और निरीक्षण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, ताकि सभी व्यवस्थाएं सही और समय पर हो सकें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि पंजीयन केंद्रों पर हर प्रकार की सुविधा सुनिश्चित की जाए, ताकि किसान आसानी से अपना पंजीयन करा सकें। इसके अलावा किसानों को पंजीयन के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज या अन्य आवश्यक जानकारी के बारे में पूर्व में सूचना दी जाए, ताकि वे पूरी तैयारी के साथ पंजीयन करवा सकें।

जिले में इन केंद्रों पर किसान कर सकेंगे अपना पंजीयन : भारत सरकार के प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 36 पंजीयन केंद्र बनाए गए है। जिनमें आदिम जाति सेवा सहकारी समिति आठनेर, प्राथमिक सहकारी समिति हिडली, विपणन सरकारी समिति मर्यादित आमला, प्राथमिक सहकारी समिति जम्बाड़ा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित रानीपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चोपना, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित घोड़ाडोंगरी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित छुरी रानीपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित सारणी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित पाढर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चिचोली, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित मलाजपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चूनाहजूरी, प्राथमिक कृषि प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित प्रभात पट्टन, प्राथमिक कृषि साख प्राथ सहकारी समिति मर्या. धाबला, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बैतूल, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित खेड़ी सांवलीगढ़, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित जामठी, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बैतूल बाजार, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित सोहागपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बोरगांव जीन, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित खंडारा, पॉपुलर विपणन सहकारी समिति मर्यादित बैतूल, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित सेहरा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित भीमपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चिल्लौर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चांदु, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित दामजीपुरा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित रतनपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित भैंसदेही, प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति मर्यादित मुलताई, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित भौंरा, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित केसिया, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बीजादेही शामिल है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सावलमेढ़ा के इंटीग्रेटेड हेल्थ केम्प में 98 हितग्राही हुए लाभान्वित

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाडे, जिला नोडल अधिकारी डॉ आनंद मालवीय के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड हेल्थ केम्प प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सावलमेढ़ा में 16 जून को आयोजित किया गया। हेल्थ केम्प में ब्लड शुगर, बीपी, एचआईवी, सिफिलिस, टीबी एवं हेपेटाइटिस बी की स्क्रीनिंग़ की गई एवं चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर द्वारा ग्रुप काउन्सलिंग कर एचआईव्ही एवं एड्स, एसटीआई, हेपेटाइटिस एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। पोस्टर और लीफलेट के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया और आईईसी के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। उच्च जोखिम अवस्था वाले हितग्राहियों को जिला चिकित्सालय बैतूल रैफर किया गया, ताकि उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

हेल्थ केम्प में 98 हितग्राही लाभान्वित हुए केम्प में एचआईव्ही एवं वीडीआरएल 82, टीबी स्क्रीनिंग 75 व्यक्तियों की गई एवं 54 व्यक्तियों का एक्स-रे किया गया। शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ स्वाति बरखड़े , बीईई श्री विनोद कोसे, बीपीएम श्री सतीश भूमरकर, बीसीएम श्री बुद्धू भुसुमकर, काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं जनसमुदाय मौजूद रहा।

कैंसर रोगियों के लिए किए जा रहे हैं कार्यों से प्रेरित होकर जैविक कृषि करने का लिया निर्णय

विदिशा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा वर्ष 2009-10 में ग्राम गमाकर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति का गठन किया गया उस समय समिति के अध्यक्ष श्री अजय सिंह रघुवंशी को बनाया गया। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी कैंसर पीड़ित लोगों को लेकर कार्य करना प्रारंभ किया और निरंतर आज भी कार्य कर रहे हैं। उन्हें कहीं से भी कैंसर पीड़ित रोगी की जानकारी मिलती है तो वह तुरंत वहां उपस्थित होकर कैंसर पीड़ित रोगी को मुंबई ले जाते हैं उसका पूरा इलाज करवा कर ही वापस आते हैं। इस सब को देखते हुए समिति सदस्य श्री भूपेंद्र सिंह रघुवंशी को प्रेरणा मिली कि वह भी इस कार्य में अपना सहयोग दे सकते हैं ताकि कैंसर के साथ-साथ अन्य बीमारियों से भी लोगों को बचाया जा सकता है तो उन्होंने जैविक कृषि करने का निर्णय लिया क्योंकि वह समिति में रहते हुए निरंतर बैठकों में उपस्थित होना और जैविक कृषि को लेकर उनसे चर्चा की जाती थी जिससे उनको प्रेरणा मिली और प्रेरित होकर वर्ष 2022-23 में उन्होंने जैविक कृषि मध्य प्रदेश राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था भोपाल में पंजीयन कराया और आज 13 बीघा यानि 2.5 हेक्टेयर में गेहूं, चने के साथ सोयाबीन आदि फसल की जैविक कृषि कर रहे हैं।

सीएमएचओ डॉ. हुरमाड़े ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने शनिवार को बैतूल जिले के समस्त विकासखंडों के चिकित्सकों एवं अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि विकासखंड के समस्त मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, खंड विस्तार प्रशिक्षक, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइजर जब तक मिलकर साथ-साथ एक टीम के रूप में कार्य नहीं करेंगे विकासखंड के कार्य में प्रगति परिलक्षित नहीं होगी। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि खंड विस्तार प्रशिक्षक एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक अपने कार्यों की रिपोर्टिंग खंड चिकित्सा अधिकारी को करें। साथ ही मैदानी अमले के कार्यों की मॉनिटरिंग तथा भ्रमण करें। हम जनता के लिए कार्य करते हैं। हम उनके स्वास्थ्य के प्रति सीधे जवाब देह हैं, अतः किसी भी प्रकार की गैर जिम्मेदारी जनता के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है, जिसे मैं बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यक्रम अधिकारियों सहित कर्मचारियों के द्वारा किए गए कार्यों की प्रत्येक 15 दिन बाद विस्तृत समीक्षा की जाएगी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ. राजेश परिहार ने कहा कि 16 जून से 15 जुलाई तक आयुष्मान भारत निरामयम योजना 2.0 के अंतर्गत वय वंदना योजना के तहत 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित करें। धरती आबा योजना अंतर्गत ग्राम उत्कर्ष अभियान में पात्र शेष हितग्राहियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित करें। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के भी वरीयता से कार्ड बनाए जाना सुनिश्चित करें। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रांजल उपाध्याय ने बताया कि टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत एएनसी रजिस्ट्रेशन की उपलब्धि बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की शत प्रतिशत उपलब्धि अर्जित किए जाने के लिए खंड चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य विकासखंड अधिकारी प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को टीकाकरण सत्रों का निरीक्षण सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित

किसानों एवं युवाओं को ऋण के लिए न होना पड़े परेशान - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर महोदय श्री बालागुरु के ने विभागवार तथा बैंकवार स्वरोजगार योजनाओं के ऋण प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कहा कि किसानों को बैंक द्वारा दिया जाने वाला ऋण किसानों की समृद्धि में सहायक होता है, इसकी सहायता से अपनी कृषि को और अधिक उन्नत बना सकते हैं। बैंक यह सुनिश्चित करें कि ऋण के लिए किसानों को बैंक में बार-बार परेशान न होना पड़े।

उन्होंने कहा कि बैंक से मिलने वाला ऋण अपना स्वरोजगार शुरू करने वाले युवाओं के जीवन की दिशा बदल सकता है। यह ऋण न केवल उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करेगा बल्कि उनके द्वारा स्थापित रोजगार से अन्य बेरोजगार लोगों को भी रोजगार मिलेगा। इसलिए ऋण प्रकरणों की स्वीकृति और वितरण में इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए कि बैंकों से समय पर ऋण वितरित हो।

उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि विभाग द्वारा प्रेषित किए गए ऋण प्रकरणों को अपने पास लंबित न रखें। ऋण प्रकरणों में कोई कमी या त्रुटि हो तो तुरंत विभाग को लौटाएं ताकि कमियों को दूर कर तुरंत बैंक को प्रेषित किया जा सके। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने 2025-26 के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के लक्ष्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के सभी विभागों एवं बैंकों के समन्वयकों को निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में एलडीएम श्री जयदीप भट्टाचार्य, आरबीआई एलडीओ श्री धीरज गुप्ता, डीडीएम नाबार्ड श्री ओजस्वी दिक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से किया जाए लाभान्वित - कलेक्टर

कलेक्टर एवं सीईओ ने इछावर में बैठक आयोजित कर धरती आबा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)।कलेक्टर श्री बालागुरू के ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इछावर में बैठक आयोजित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशानुसार अभियान के तहत शिविरों का प्रभावी और सफल आयोजन किया जाए। इसके साथ ही आयोजित होने वाले शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि इस अभियान के अंतर्गत भैरूंदा जनपद के 28 ग्रामों को सम्मिलित किया गया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले शिविरों एवं अन्य गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी 28 गांवों में नोडल अधिकारियों नियुक्त किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत शिविरों का प्रभावी संचालन किया जाए और सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं और सेवाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नोडल अधिकारी शिविरों में स्वयं उपस्थित रहें और शिविरों का प्रभावी संचालन कराएं, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं और सेवाओं के लाभ से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति लाना है। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें और इस अभियान को सफल बनाने के लिए निरंतर कार्य करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने समग्र ईकेवाईसी के कार्य में लापरवाही बरतने पर ग्राम लोहापठार के ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अनुपस्थित पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से देश भर के जनजातीय क्षेत्रों में सेवाओं और बुनियादी ढांचे को संतृप्त करना है। इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा की जनजातीय क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों की पात्रतानुसार सभी शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं तक पहुंच हो सके।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता सेमिनार आयोजित

सीहोर (निप्र)। नशा मुक्त भारत अभियान एवं 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के तहत नशे एवं नशीली दवाओं के विरूद्ध जागरूकता के उद्देश्य से सीहोर स्थित संकल्प नशा मुक्ति केंद्र में नशामुक्ति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मनोवैज्ञानिकों ने नशामुक्ति केंद्र में रह रहे व्यक्तियों को जागरूक करते हुए बताया कि नशा हमारी क्षमताओं को कम करता है और हमें कमजोर बना देता है। यह हमारे और हमारे देश के विकास में प्रमुख बाधक तत्व है और हमें नशे से अपना और अपने समुदाय का बचाव करना चाहिए। इस अवसर पर सभी को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत अभियान एवं 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के तहत 01 जून से 26 जून 2025 तक जिले में नशे के विरूद्ध अनेक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और इनसे बचाना है, बल्कि इस अभियान को नशे के खिलाफ एक जन आंदोलन का रूप देना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर नायिका, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर उन्हें आदरपूर्वक श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने मातृभूमि की आजादी के लिए अलख जलाकर तत्कालीन समय में अखंड भारत को जागृत करने का कार्य किया था। शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस के इतिहास में वीरांगना लक्ष्मीबाई का स्वर्णिम अध्याय देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव को इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) के अध्यक्ष पद की अहम जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मानव सभ्यता, संस्कृति और पारिस्थितिकी के प्रतीक टाइगर (बाघ), सिंह, तेंदुआ जैसी बिग कैट के संरक्षण एवं संवर्धन के वैश्विक अभियान में भारत सहित समस्त देशों को भी नई दिशा, ऊर्जा और गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धेय सुदर्शन की जंयती पर किया पुण्य स्मरण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मातृभूमि के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांचवें सरसंघचालक श्रद्धेय श्री के.एस. सुदर्शन की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय सुदर्शन जी ने संपूर्ण राष्ट्र में स्वदेशी के प्रति जनचेतना का संचार किया और लाखों स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा के संस्कार प्रदान किए। श्रद्धेय सुदर्शन जी के प्रखर विचार, चिंतन एवं कृतित्व राष्ट्र के नवनिर्माण के पथ प्रदर्शक बने रहेंगे।

11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून को

कलेक्टरों को निर्देश जारी

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन द्वारा 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को आयोजित करने के संबंध में समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये है। जारी आदेश में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए जिले की समस्त संस्थाओं को प्रेरित किया जायेगा, सभी कार्यक्रम आयोजकों को अपना पंजीयन कराना होगा। इसका पंजीयन लिंक पर होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकायों मुख्यालय एवं समस्त वार्डो में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कराया जायेगा। योग दिवस के कार्यक्रम के लिए भारत सरकार द्वारा योग निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के लिए जिले में पंतजलि योग संस्थान, श्रीरामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद, म.प्र. योग आयोग एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं से संबद्ध योग इन्स्ट्रक्टर/योगा वालेंटियर उपलब्ध है जिनकी सूची पृथक से आयुष विभाग द्वारा प्रदाय की जायेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव का 21 जून के योग दिवस कार्यक्रम में उद्बोधन का सीधा प्रसारण प्रदेश के समस्त ग्रामों एवं वार्डो में कराया जायेगा। कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 7.45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसका प्रसारण लिंक म.प्र. जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदाय किया जायेगा। सभी जिलों में उपलब्ध योग प्रशिक्षक एवं वालेंटियर्स को ट्रेंनिग कराने के लिए आयुष विभाग द्वारा ट्रेनिंग मॉडयूल तैयार किया गया है जिसके माध्यम से दिनांक 19 एवं 20 जून को ऑनलाइन ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिसकी लिंक आयुष विभाग द्वारा प्रेषित की जायेगी।

भोपाल में 13 पंचायत सचिवों के तबादले

भोपाल (नप्र)। कई साल से एक ही ग्राम पंचायत में जमे भोपाल के 13 पंचायत सचिवों के तबादले किए गए हैं। इन्हें मिलाकर 7 दिन में कुल 43 सचिवों का ट्रांसफर किया जा चुका हैं। खास बात ये है कि इन्हें पुरानी पंचायत से कार्यमुक्त होने और नई पंचायत में ज्वाइन करने के बाद ही सैलरी और छुट्टी मिलेगी।

इससे पहले, 10 जून को जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने 30 सचिवों की लिस्ट को मंजूरी दी थी। वहीं, तबादलों की समय सीमा 17 जून की देर रात 13 सचिवों की एक और लिस्ट जारी की गई।

परिसीमन के पहले 45 विधानसभाओं पर बीजेपी का प्लान

जिस सामान्य सीट पर दलित-आदिवासी निर्णायक, वहां फीडबैक लेंगे सासंद, विधायक

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के भाजपा विधायकों और सांसदों को पचमढ़ी में 3 दिनों तक अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में बीजेपी ने दलित-आदिवासी वर्ग के प्रभाव वाली सीटों को लेकर विधायकों, सांसदों के ग्रुप बनाकर चर्चा की। इस चर्चा में बीजेपी ने विधायकों को यह टारगेट दिया है कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र के उन वर्गों से बातचीत करें जो हार-जीत तय करते हैं।

बीजेपी ने उन सीटों को इस लिस्ट में रखा है जो सामान्य यानी अनारक्षित हैं। लेकिन, हार जीत में दलित आदिवासी वर्ग के वोटर महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस चर्चा से साफ है कि आगामी समय में इन 45 अनारक्षित विधानसभाओं में से कुछ सीटें आरक्षित हो सकती हैं। इनको लेकर बीजेपी गंभीर है और परिसीमन के बाद होने वाले चुनाव की तैयारी में जुट गई है।

अनुसूचित जाति वर्ग के विधायक, सांसदों के साथ चर्चा के दौरान बीजेपी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल। साथ में एससी मोर्चा के राष्टीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य और विधायक विष्णु खत्री।

तीन समूहों में हुई चर्चा

इस ग्रुप डिस्कशन में तीन प्रकार से विधानसभा सीटों को विभाजित किया गया था। पहले समूह में एससी वर्ग के प्रभाव वाली 71 विधानसभा सीटों के विधायकों के साथ चर्चा की गई। इस समूह की बैठक को क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने संबोधित किया।

दूसरे समूह में आदिवासी वर्ग के प्रभाव वाली 56 सीटों के विधायकों को रखा गया। इस समूह से प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने चर्चा की। तीसरे ग्रुप में अन्य 74 विधानसभा सीटों के विधायकों, सांसदों के साथ मंत्री राकेश सिंह ने चर्चा की।

मप्र में दलित आदिवासी वर्ग की राजनीतिक हिस्सेदारी

कुल विधानसभा सीटें	230
एससी के लिए आरक्षित	35
कांग्रेस के एससी विधायक	9
बीजेपी के एससी विधायक	26
एसटी के लिए आरक्षित	47
कांग्रेस के एसटी विधायक	22
बीजेपी के एसटी विधायक	24
अन्य दल के एसटी विधायक	01

प्रभावी वर्ग से पूछें- सरकार से क्या हैं अपेक्षाएं

समूह चर्चा में विधायकों से कहा गया कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए जो क्षेत्र आरक्षित हैं वहां के विधायकों को अनुसूचित जाति, आदिवासी वर्ग के लोगों के बीच जाकर ये जानने का प्रयास करना चाहिए कि क्या उन्हें शासन की योजना का पात्रता के अनुसार फायदा मिल रहा है या नहीं?

लोगों, युवाओं, महिलाओं और स्थानीय स्तर पर किसानों से बातचीत कर यह जानने की कोशिश करें कि वे सरकार से क्या चाहते हैं? भाजपा से इन वर्गों की क्या अपेक्षा है? उनकी परेशानियां क्या हैं?

बैठक में इस बात पर खासा जोर दिया गया कि जिन वर्गों के मतदाता प्रभावशाली भूमिका में हैं यदि वे किसी और दल के साथ जुड़े हैं तो उन्हें जोड़ने का प्रयास करें। पढ़े-लिखे युवाओं, और दलित वर्ग के इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, व्यवसायियों को जोड़ने का प्रयास करें। यदि आप नहीं जोड़ेंगे तो कोई और उन्हें अपने साथ जोड़ लेगा।

जहां एससी, एसटी निर्णायक उन वर्गों से मिलें

समूह चर्चा में ये कहा गया कि प्रदेश में 47 विधानसभा सीटें आदिवासी और 35 विधानसभाएं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। लेकिन, 36 सीटें ऐसी हैं जो आरक्षित नहीं हैं लेकिन, एससी वर्ग के वोटर निर्णायक हैं। इसी तरह 9 सामान्य सीटें ऐसी हैं जहां आदिवासी वोटर निर्णायक हैं।

जो सीटें सामान्य हैं लेकिन, एससी, एसटी वोटर महत्वपूर्ण भूमिका में हैं उन सीटों के विधायकों को प्रभावशाली वोटर्स के बीच जाकर बातचीत करना चाहिए। उनके जो स्थानीय मुद्दे हैं या सरकार से अपेक्षाएं हैं उनको जानकर समाधान के लिए काम करना चाहिए।

बमोरी का दिया उदाहरण

प्रशिक्षण वर्ग में शामिल रहे एक वरिष्ठ विधायक ने उदाहरण देते हुए बताया कि गुना जिले की बमोरी विधानसभा अनारक्षित है। लेकिन, इस सीट पर आदिवासी वोटर्स की संख्या करीब 80 हजार है।

बमोरी का उदाहरण देकर बताया गया कि ऐसे विधानसभा क्षेत्र जो सामान्य हैं लेकिन, वहां एसटी या एससी के वोटर निर्णायक हैं। हार-जीत तय करने वाले वर्ग के लोगों से फीडबैक लेकर संगठन तक अवगत कराएं। स्थानीय समस्याओं का निराकरण जरूर करें।

उज्जैन में बन रहा महाकाल-संस्कृति वन, 30 हजार पौधे रोपे

12 हेक्टेयर में 8 वाटिका, सिंहासन बत्तीसी, योग-ध्यान केंद्र होगा तैयार

उज्जैन (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर गुजरात में बने संस्कृति वन की तर्ज पर उज्जैन में भी 12 हेक्टेयर एरिया में महाकाल संस्कृति वन बनाया रहा है। कोठी रोड पर बन रहे संस्कृति वन में 30 हजार पौधे लगाए गए हैं। यहां आने वाले लोगों को पर्यावरण के साथ-साथ अध्यात्म से जोड़ने के लिए योग केंद्र और अवंतिका नगरी का इतिहास बताने के लिए राजा विक्रमादित्य की सिंहासन बत्तीसी भी आकार ले रही है।

इस संस्कृति वन में मंदिर भी होंगे। 13 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे महाकाल संस्कृति वन को संभवतः इस साल के अंत तक लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। उज्जैन आने वाले तीर्थयात्री अब जल्द ही संस्कृति वन घूमने का भी मजा ले सकेंगे। प्रदेश में उज्जैन के साथ ही भोपाल और रीवा में भी इस प्रकार के संस्कृति वन बनाए जा रहे हैं। उज्जैन आने वाले लोग संस्कृति से लेकर गौरव गाथा और इतिहास से लेकर धार्मिक महत्व के विषयों तक सब कुछ एक ही जगह पर देख और समझ पाएंगे। शहर के बीच में भव्य स्वरुप में बन रहा महाकाल संस्कृति वन अपने आप में अद्भुत होगा। देशभर से आने वाले लोग उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य की भव्य सिंहासन बत्तीसी का दीदार भी कर सकेंगे। इसके लिए कई तरह के फूलों से सुसज्जित विक्रम टीले का भी निर्माण किया जा रहा है।

युवतियों ने आपस में की शादी, परिवार से तोड़ा नाता

छतरपुर में शपथ पत्र बनाकर कहा-साथ रहेंगे; 3 महीने में समलैंगिक विवाह का दूसरा मामला

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में 21 और 24 साल की दो युवतियों ने आपस में शादी कर ली। दोनों ने समलैंगिक रिश्ते को स्वीकार करते हुए मंगलवार को शपथ-पत्र बनाकर साथ रहने की सहमति जताई। उन्होंने कहा कि अब हमारा परिवार को कोई नाता नहीं है। हम दोनों साथ रहेंगे।

मामला नौगांव तहसील क्षेत्र के एक गांव का है। दो दिन पहले दोनों युवतियां अचानक घर से लापता हो गई थीं। परिजन ने नौगांव थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद युवतियों ने पुलिस से बताया कि वे एक-दूसरे से प्रेम करती हैं और साथ रहना चाहती हैं।

छतरपुर में 3 महीने में समलैंगिक शादी का ये दूसरा मामला है। इससे पहले दौरिया गांव की 23 वर्षीय सोनम यादव और असम की रहने वाली मानसी वर्मन ने पुलिस की मौजूदगी में थाने के बाहर मार्च में शादी की थी।

युवती बोलीं- अब परिवार से कोई संबंध नहीं

21 वर्षीय युवती ने शपथपत्र में कहा कि मैं बालिग हूं, शिक्षित हूं और मानसिक रूप से सक्षम हूं। यह रिश्ता मेरी मर्जी से है। मैंने परिवार को नहीं बताया और अब कोई संबंध नहीं रखती। अगर कोई विवाद हुआ तो उसकी जिम्मेदारी मेरी होगी। परिवार के लोग इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहे, इसलिए हमने सुरक्षा के लिए कानूनी रास्ता चुना है।

दो साल पहले की थी मंदिर में शादी

दूसरी युवती ने बताया कि वह 12वीं पास है और दो साल पहले 9 दिसंबर 2023 को दोनों ने मंदिर के पास विवाह किया था। तब से अपने-अपने घर में रह रही थी। उन्होंने कहा कि हम दोनों बालिग हैं। परिवार साथ नहीं रहने दे रहा, इसलिए कोर्ट में शपथपत्र देकर शादी की है। अब साथ रहेंगे।

टीआई बोले- अब तक कोई शिकायत नहीं आई

नौगांव थाना प्रभारी सटीक सिंह ने बताया कि दोनों युवतियां सुरक्षा के लिए आई थीं। एक दिन पहले उनके माता-पिता गुमशुदगी की रिपोर्ट देने आए थे। लेकिन अब तक थाने में इस मामले को लेकर कोई शिकायत नहीं आई है।

मानसून ने 3 दिन में पूरा एमपी कवर किया

भोपाल-जबलपुर में एंटर हुआ, भिंड में पहुंचना बाकी; आज 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 3 दिन में ही भिंड को छोड़ बाकी पूरे मध्यप्रदेश को कवर कर लिया है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को मानसून ने 35 जिलों में दस्तक दी।

इनमें भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़, आगर-मालवा, सागर, दमोह, टीकमगढ़, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, नरसिंहपुर, मुरैना, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर और दतिया शामिल हैं। इससे पहले पिछले दो दिन में इंदौर समेत 19 जिलों में मानसून पहुंच चुका है। अब सिर्फ भिंड ही ऐसा जिला है, जहां मानसून को दस्तक देना है। गुरुवार को इस जिले में भी मानसून पहुंच सकता है।

बुधवार को गुजरात-राजस्थान से सटे 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इनमें मालवा-निमाड़ (इंदौर-उज्जैन संभाग) के धार, झाबुआ, रतलाम, नीमच और मंदसौर शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में बारिश, तेज आंधी और गरज-चमक वाला मौसम रहेगा। बुधवार को बड़वानी जिले के कई इलाकों में बारिश हुई। अंजड़ में सबसे ज्यादा 20 मिमी पानी गिरा।

8 महीने की रिसर्च के बाद बनाए थे जाली नोट

जबलपुर में 5 लाख के नकली नोट समेत 2 पकड़ाए; बीबीए कर चुका है मास्टरमाइंड

जबलपुर (नप्र)। बहुत जल्दी अमीर बनना है। खुद का घर हो, कार हो। लेकिन, प्राइवेट नौकरी में ये सब होना मुमकिन नहीं है। यही वजह थी कि कुछ ऐसा करने की सोची, जिससे कम समय में बहुत सारा पैसा आ जाए। मैंने कई फिल्में और वेब सीरीज देखी। कुछ समझ नहीं आ रहा था। आखिरकार दिमाग में आया कि क्या नकली नोट बनाया जा सकता है।

यह कहना है ऋतुराज विश्वकर्मा का, जिसके पास से जबलपुर पुलिस ने करीब 5 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने इसके एक साथी को भी गिरफ्तार किया है। वह नकली नोटों को बाजार में खपाने की तैयारी में था।

पूछताछ के दौरान पता चला है कि ऋतुराज के कुछ साथी छत्तीसगढ़ में छिपे हुए हैं। यह भी हो सकता है कि मध्यप्रदेश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के भी कुछ जिलों में इन लोगों ने नकली नोट चलाए हों।

पूछताछ में ऋतुराज ने बताया कि उसने पता किया कि भारतीय रिजर्व बैंक की नोट को लेकर गाइडलाइन क्या होती है। वह लगातार आठ माह तक यूट्यूब, गूगल पर रिसर्च करता रहा। इसके बाद उसे नकली नोट बनाने का आइडिया जमा। उसने लैपटॉप और प्रिंटर का इस्तेमाल करके 500-500 के नोट पेपर पर छाप लिए।

हालांकि, इसमें उतनी सफाई नहीं आई, जितनी असली नोट में रहती है। यही वजह थी कि जिसे नोट बाजार में खपाने के लिए दिए थे, वह पकड़ा गया। इसके बाद खुद ऋतुराज भी पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

संदिग्ध से पूछताछ के बाद पकड़ा गया मास्टरमाइंड- सोमवार सुबह हनुमान ताल थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि मंडी मदार-टेकरी के पास एक संदिग्ध युवक खड़ा हुआ है। उसके पास बहुत सारे पांच सौ रुपए के नोट हैं। पुलिस तुरंत एक्टिव हुई और घेराबंदी कर युवक को पकड़ा तो उसने अपना नाम रवि दाहिया (55), निवासी घमापुर बताया।

युवक के पास रखे बैग को जब पुलिस ने तलाश किया तो होश उड़ गए। उसके पास 2 लाख 94 हजार रुपए के नोट मिले। हिरासत में लेकर रवि को जब थाने लाया गया और नोट की चेकिंग तो पता चला कि ये नकली है। आरोपी ने बताया कि नोट ऋतुराज विश्वकर्मा नाम के एक व्यक्ति ने दिया है, जिससे कि एक माह पहले ही चाय की दुकान पर दोस्ती हुई थी।

रवि के बताए ठिकाने पर जब हनुमान ताल थाना प्रभारी ने दबिश दी तो वहां पर नोटों का जखीरा पुलिस को मिला, इसके साथ ही लैपटॉप, प्रिंटर, व्हाइट पेपर, नोट कटर मिले। पुलिस ने मौके से ऋतुराज को गिरफ्तार किया जो कि लैपटॉप की मदद से 500 रुपए के नोट की डिजाइन कर रहा था।

आईआईबीएम भारतीय व्यवसाय प्रबंधन संस्थान बैंकिंग और वित्त में कई कोर्स कराता है। ये कोर्स बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक लोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये कोर्स बैंकिंग क्षेत्र में सफल करियर बनाने के लिए जरूरी नॉलेज और स्किल देते हैं।

आरोपी ने आईआईबीएम में बैंकिंग कोर्स करने के लिए, उसकी वेबसाइट पर जाकर कई अहम जानकारी जुटाई थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नोट की जानकारी पाने के लिए उसने कई वेबसाइट को भी सर्च किया और वो भी आठ माह तक।

दस साल पहले ऋतुराज ने (आईआईबीएम) का बैंकिंग सर्टिफिकेट कोर्स किया था। इसके साथ ही आरोपी ने बीबीए की पढ़ाई भी की है। कम्प्यूटर फ्रेंडली आरोपी ने बेहद शातिराना अंदाज से नकली नोट बनाने का प्लान किया, पर पकड़ा गया।

प्रिंटिंग से लेकर कटिंग और फिनिशिंग का काम करता था

ऋतुराज विश्वकर्मा (38) नरसिंहपुर का रहने वाला है। जबलपुर निवासी एक युवती से लव मैरिज करने के बाद पांच साल पहले वह आधारताल में ही किराए के मकान में रहने लगा। उसने घर के ही एक कमरे में नकली नोट बनाने का कारखाना खोल लिया, जहां वह प्रिंटिंग से लेकर कटिंग और फिनिशिंग का काम किया करता था, हालांकि उसकी पत्नी अपने पति के इस कारनामे से पूरी तरह अनजान थी।

आरोपी पेंट नाम के एक सॉफ्टवेयर से असली 500 के नोट की हूबहू डिजाइन तैयार करता और प्रिंटर की मदद से उसे छापता था। पुलिस ने ऋतुराज के घर से करीब 4 लाख 88 हजार रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। इसमें 1 लाख 94 हजार रुपए के अनकटिंग नोट भी शामिल हैं। साथ ही 10 बंडल से अधिक व्हाइट पेपर ए4 साइज के भी जब्त किए हैं।

दूसरे समाज के लड़के से प्रेम से नाराज दादा ने पोती को मार डाला

मुरैना में कट्टा सटाकर 3 गोली मारीं; लड़के के पिता से कहा- ये पहले नाक कटवा चुकी

मुरैना (नप्र)। मुरैना में मंगलवार को हुई मलिश्का (19) की हत्या का आरोप उसके दादा पर ही है। दादा दूसरी समाज के लड़के से प्यार करने से नाराज था। उसने पोती के सिर से कट्टा सटाकर तीन गोली मारीं। इसके बाद पुलिस को झूठी कहानी बनाई। शक होने पर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो हॉरर किलिंग का मामला सामने आया। दादा ने गांव के ही एक व्यक्ति के साथ वारदात को अंजाम दिया था।

घटना जौरा के बदरपुरा में सोमवार रात की है। सिरनाम सिंह पुलिस के पास पहुंचा और बताया कि पोती मलिश्का अपने माता-पिता के साथ बाइक पर बालेरा गांव में रहने वाले मामा के घर से लौट रही थी। रास्ते में 4 लोगों ने रोक लिया।

मलिश्का ने रास्ता रोकने वालों के लिए कहा- मैंने इसे पहचान लिया है। उसके ये कहते ही एक हमलावर ने देसी कट्टे से उस पर फायर कर दिया। मलिश्का के सिर के पीछे और दोनों कानों के पास तीन गोलियां लगीं। इसके बाद आरोपी फरार गए। सिरनाम ने ये भी कहा कि जिस व्यक्ति से जमीन का विवाद चल रहा है, उसी ने बदला लेने के लिए पोती को मारा है।

दूसरे समाज के लड़के से प्यार करने लगी थी- जानकारी के अनुसार, मलिश्का अपने चाचा के साले सूरज कडेरा के साथ रिश्ते में थी। परिवार को इस रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि दोनों एक ही समाज के थे और रिश्तेदारी भी थी। फिर मलिश्का का गांव के ही नरेश त्यागी के बेटे सौरभ से अफेयर हो गया। जब परिवार को इसका पता चला तो उन्होंने बेटी को समझाया। मलिश्का नहीं मानी तो माता-पिता ने उसके इस रिश्ते को भी स्वीकार कर लिया, लेकिन दादा सिरनाम सिंह को समाज और गांव में बदनामी सहन नहीं हुई, क्योंकि मलिश्का का पहले एक रिश्ता टूट चुका था और सौरभ दूसरे समाज का भी है।

सिरनाम सिंह ने पोती की हत्या करने का मन बना लिया। उसने नरेश त्यागी से कहा कि मलिश्का पहले ही रिश्तेदारी में हमारी नाक कटवा चुकी है। अब तुम्हारे बेटे के साथ रहकर तुम्हें भी बदनाम करेगी। इसके बाद दोनों ने मलिश्का की हत्या की प्लानिंग की। सिरनाम सोमवार रात करीब 9.30 बजे मलिश्का को गांव के बाहर मुख्य रोड पर बने यात्री प्रतीक्षालय के पास ले गया। सिरनाम ने उसके सिर और गले के बिल्कुल पास से तीन गोलियां मारीं। इसके बाद भागकर घर आ गया। गांव के ही एक व्यक्ति ने उसे भागकर घर आते देख लिया था, जिसने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

गांव के ही परिवार पर लगाया हत्या का आरोप- हत्या के बाद सिरनाम पुलिस को गुमराह करता रहा। उसने पुलिस को बताया कि उसके परिवार का गांव के ही भीकम से जमीन विवाद चल रहा है। 8 साल पहले उसने भीकम से 6 बीघा खेत 6 लाख रुपए में खरीदा था। उसकी रजिस्ट्री आज तक नहीं की है। इस विवाद में भीकम के बेटे ने बदला लेने के लिए पोती की हत्या कर दी।

मलिश्का का पिता पुलिस के सामने टूट गया- मलिश्का के पिता लाखन सिंह को पता था कि बेटी को दादा ने ही मारा है। वह बागचीनी थाने में बैठकर रिपोर्ट लिखवा रहा था, लेकिन घबराहट में बार-बार बयान बदल रहा था। उसकी घबराहट से पुलिस को शक हुआ। टीआई अरुण कुशवाह और थाना प्रभारी डिंपल मौर्य उसे थाने केदूसरे कमरे में ले गए।